दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM
आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22
वर्ष-4 अंक-328 भोपाल, शुक्रवार 08 अक्टूबर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-3 रुपए

आज का सुविचार

जितने की इच्छा सभी में होती है मगर जितने के लिए तैयारी करने की इच्छा बहुत कम लोगों में होती है

विंस

पंचांग

आश्विन कृष्णा षष्ठी, शुक्रवार 22 विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:15/6:02
वर्षा/बादल %	06 %
नमी %	61 %
वायु (किमी/घं.)	6
तापमान प्रातः/रात्रि (डिग्री से.)	33°/23°

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तोला

₹ 48,325

शेयर सूचकांक

बीएसई	59677.83	+488.10
निफ्टी	17790.35	+144.35

भाजपा की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी से वरुण और मेनका गांधी बाहर

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी का ऐलान गुरुवार को हुआ। बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी से वरुण गांधी को बाहर कर दिया गया है। वरुण काफी समय से सरकार की नीतियों के खिलाफ बयानबाजी कर रहे थे। लखीमपुर खीरी हिंसा को लेकर भी पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण गांधी ने आवाज उठाई है। उन्होंने इस केस की जांच CBI से कराए जाने की मांग की है। वरुण की बयानबाजी का खामियाजा उनकी मां मेनका गांधी को भी भुगतना पड़ा है और मेनका को भी भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी से बाहर कर दिया गया है। बीजेपी ने 80 सदस्यों की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का ऐलान किया है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लाल कृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह और राजनाथ सिंह भी शामिल हैं। इनके अलावा मिथुन चक्रवर्ती को भी नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी जगह मिली है। भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक 18 अक्टूबर को होगी।

देश को 35 ऑक्सीजन प्लांट की सौगात : मोदी ने उत्तराखंड से की शुरुआत, कहा-

कोरोना से लड़ाई में ऑक्सीजन सप्लाई एक चुनौती थी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को 35 PSA ऑक्सीजन प्लांट की सौगात दी है। उत्तराखंड के ऋषिकेश स्थित एम्स में हो रहे कार्यक्रम से इसकी शुरुआत हुई है। प्रधानमंत्री इस वक्त लोगों को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि कोरोना से लड़ाई में ऑक्सीजन सप्लाई से लेकर वैक्सीन तक की चुनौती थी। साथ ही कहा कि सरकार हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज खोलना चाहती है।

कोरोना काल में ऑक्सीजन की चुनौती से निपटे

मोदी ने कहा कि कोरोना से लड़ाई में बड़ी जनसंख्या तो एक चुनौती थी ही, साथ ही हमारी भौगोलिक स्थिति भी चुनौती थी। यह चुनौती देश के सामने आती रहीं। देश इनसे कैसे लड़ा हर देशवासी के लिए जानना बहुत जरूरी है। सामान्य दिनों में एक दिन में 900 मीट्रिक टन लिक्विड ऑक्सीजन का प्रोडक्शन होता था। डिमांड बढ़ते ही भारत ने इसका प्रोडक्शन दस गुना से भी ज्यादा बढ़ाया। दुनिया के किसी भी देश के लिए यह अकल्पनीय लक्ष्य था, लेकिन भारत ने इसे हासिल करके दिखाया।

ऑक्सीजन सप्लाई के लिए युद्धस्तर पर काम किया

प्रधानमंत्री ने कहा कि ऑक्सीजन की सप्लाई के लिए भी खास टैंकर की जरूरत होती है। लॉजिस्टिक की इतनी चुनौतियों से जूझते हुए देश ने युद्ध स्तर पर काम किया। हमने दुनिया में जहां से भी संभव हो ऑक्सीजन प्लांट और ऑक्सीजन टैंकर मंगाए। वायुसेना के विमान लगाए गए। डीआरडीओ की मदद से तेजस फाइटर प्लेन लगाए गए। इससे काम तो तेज हुआ ही। एक लाख ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर के लिए पैसा भी दिया गया।

4000 नए ऑक्सीजन प्लांट मिलेंगे

मोदी ने कहा कि भविष्य में कोरोना से लड़ाई और पुख्ता हो इसके लिए 1100 से अधिक ऑक्सीजन प्लांट काम करना शुरू कर चुके हैं। पीएम केयर फंड से हर जिला ऑक्सीजन प्लांट से जुड़ गया है। देश को चार हजार नए ऑक्सीजन प्लांट मिलने जा रहे हैं। ऑक्सीजन की चुनौती का मुकाबला करने में देश के अस्पताल पहले से ज्यादा सक्षम हो रहे हैं।

श्रीनगर में आतंकी हमला : स्कूल में घुसकर प्रिंसिपल और एक टीचर की हत्या

5 दिन में 7वीं बार आम नागरिकों पर हमला

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में आतंकियों ने ईदगाह इलाके में गवर्नमेंट बॉयज हायर सेकेंडरी स्कूल में घुसकर फायरिंग की। इसमें प्रिंसिपल सुपिंदर कौर और शिक्षक दीपक चांद की मौत हो गई। सुपिंदर कौर सिख समुदाय से और दीपक चांद कश्मीरी पंडित थे। सुरक्षाबल मौके पर पहुंच गया है और आतंकियों की तलाश जारी है। घाटी में नागरिकों की हत्या करने की यह पिछले 5 दिनों में 7वीं घटना है, जिसमें से 6 सिर्फ श्रीनगर की ही हैं।

स्थानीय मुस्लिमों को बदनाम करने की साजिश

जम्मू-कश्मीर के छ्त्तक्ष दिलबाग सिंह ने दैनिक भास्कर को बताया कि यह स्थानीय मुस्लिमों को बदनाम करने की साजिश है। कश्मीर के सांप्रदायिक सौहार्द्र को खत्म करने की साजिश के तहत निहत्थे नागरिकों को मारा जा रहा है। इससे आतंकियों की निराशा और क्रूरता साफ झलक रही है। आंतकी कश्मीर में अमन-चैन और भाईचारे को खत्म करना चाहते हैं, लेकिन हम उनके मंसूबे कामयाब नहीं होने देंगे।

मंगलवार को 3 नागरिकों की जान ली

पहली वारदातः आतंकियों ने करीब 7:30 बजे इकबाल पार्क क्षेत्र में श्रीनगर के प्रसिद्ध फार्मासिस्ट माखनलाल बिंद्रू (68) को मार दिया। आतंकियों ने उन्हें मेडिकल स्टोर में घुसकर गोली मारी। बुधवार को उनकी बेटी डॉक्टर श्रद्धा बिंद्रू ने आतंकियों को बहस करने की चुनौती दी थी।

दूसरी वारदातः मंगलवार को ही 8:30 बजे आतंकियों ने लाल बाजार इलाके में वीरेंद्र पासवान की हत्या कर दी। वे पानी पुरी का कारोबार करते थे। वे बिहार के भागलपुर के रहने वाले थे।

तीसरी वारदातः मंगलवार को ही 8: 45 बजे आतंकियों ने बांदीपोरा के शाहगुंड इलाके में एक आम नागरिक की हत्या कर दी। मृतक की पहचान नायदखाई निवासी मोहम्मद शफी लोन के रूप में हुई।

शनिवार को 2 लोगों की हत्या की गई

पहली वारदातः यह घटना कारां नगर इलाके में हुई। यहां आतंकियों ने स्थानीय नागरिक अब्दुर रहमान गुरु को गोली मार दी। वह श्रीनगर के चट्टाबल के गालवांटेंग इलाके का रहने वाला था।

दूसरी वारदातः श्रीनगर की एसडी कॉलोनी बटमालू में आतंकियों ने एक आम नागरिक को गोली मार दी, जिसने स्क्र्ास अस्पताल में दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान मोहम्मद शफी डार के रूप में हुई।

नरोत्तम मिश्रा को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी बनाए गए राष्ट्रीय कार्य समिति में सदस्य

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मध्य प्रदेश के गृह, जेल, विधि विधायी,एवं संसदीय कार्य मंत्री नरोत्तम मिश्रा को बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यसमिति में स्थान मिला है। उनके अलावा मध्य प्रदेश से नरेंद्र सिंह तोमर, वीरेंद्र खटीक और ज्योतिरादित्य सिंधिया इस कार्य समिति में शामिल है। बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने राष्ट्रीय कार्यसमिति, राष्ट्रीय कार्यसमिति के लिए विशेष आमंत्रित और स्थाई आमंत्रित पदेन सदस्यों की नियुक्ति कर दी है। राष्ट्रीय कार्यसमिति में कुल 80 सदस्य हैं। जिनमें प्रमुख रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी, राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल और सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी शामिल है। इस सूची में मध्य प्रदेश से केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ज्योतिरादित्य सिंधिया और वीरेंद्र खटीक को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही मध्य प्रदेश के गृह एवं जेल मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा को भी कार्यसमिति में स्थान दिया गया है। नरोत्तम पिछले काफी लंबे समय से उत्तर प्रदेश, दिल्ली और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों के दौरान पार्टी द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी उठाते रहे हैं और एक बार फिर पार्टी ने उन्हें प्रदेश कार्य समिति में सदस्य बनाकर उन पर विश्वास जताया है। कैलाश विजयवर्गीय एक बार फिर राष्ट्रीय महासचिव बनाए गए हैं। इसके साथ ही पूर्व सांसद ओम प्रकाश धुर्वे को राष्ट्रीय मंत्री बनाया गया है। मंदसौर के सांसद सुधीर गुप्ता राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष होंगे। विशेष आमंत्रित सदस्यों में फग्गन सिंह कुलस्ते ,संध्या राय मध्यप्रदेश का चेहरा होंगे। राकेश सिंह को संसद में मुख्य सचेतक की जिम्मेदारी दी गई है। जबकि मुरलीधर राव मध्य प्रदेश के प्रभारी और पंकजा मुंडे सह प्रभारी होगी।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

तंजानिया के अब्दुलरजाक गुर्नाह को साहित्य का नोबेल, कमेटी बोली- उपनिवेशवाद के खिलाफ उन्होंने कोई समझौता नहीं किया

तंजानिया। साहित्य का नोबेल पुरस्कार इस साल (2021) तंजानिया के उपन्यासकार अब्दुलरजाक गुर्नाह को दिया गया है। नोबेल कमेटी ने अपने बयान में कहा- उपनिवेशवाद के खिलाफ रजाक ने किसी तरह का कोई समझौता नहीं किया। उन्होंने इस बुराई की जड़ पर अपने साहित्य के जरिए प्रहार किया। गुर्नाह की कोशिश है कि महाद्वीपों के बीच सांस्कृतिक अंतर की गहरी खाई को लेखनी के जरिए भरा जाए। नोबेल एकेडमी की तरफ से जारी बयान में कहा गया- अब्दुल संस्कृति के विस्तार के हिमायती रहे हैं। उन्हें बचपन से ही साहित्य के क्षेत्र में कुछ कर गुजरने का शौक था।

क्रूज ड्रग्स केस :NCB ने कहा-

मुख्य आरोपी तक पहुंचना चाहते हैं, आर्यन के वकील ने पूछा- तब तक क्या मेरे क्लाइंट को बंधक बनाकर रखेंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

क्रूज ड्रग्स पार्टी केस में मेट्रोपोलिटिन कोर्ट में सुनवाई जारी है। इसमें NCB ने आर्यन सहित 8 आरोपियों की कस्टडी बढ़ाकर 11 अक्टूबर तक करने की मांग की। आरोपियों में से सबसे पहले अचित कुमार के केस की सुनवाई हुई। उन्हें 9 अक्टूबर तक ह्ष्टक्क की कस्टडी में भेज दिया गया है। अचित की गिरफ्तारी आर्यन के बयान के आधार पर की गई थी। सतीश मानशिंदे ने कोर्ट से कहा कि 2 रातों से आर्यन से पूछताछ नहीं हुई, फिर ह्ष्टक्क आर्यन की कस्टडी क्यों मांग रही है। मानशिंदे ने कहा कि NCB बार-बार कह रही है कि वह

मुख्य आरोपी तक पहुंचना चाहती है, लेकिन तब तक आर्यन को बंधक बनाकर नहीं रखा जा सकता। हाई प्रोफाइल मामला होने की वजह से कोर्ट रूम में बहुत भीड़ देखी गई। इस वजह से बचाव पक्ष के वकील ने जज से गुजारिश करते हुए कहा कि जिन लोगों का केस से संबंध नहीं है, उन्हें कोर्ट रूम से बाहर भेजा जाए। जज ने केस से संबंधित लोगों को हाथ उठाने को कहा और बाकी लोगों को बाहर जाने का आदेश दिया।

आज की सुनवाई अहम

ड्रग्स केस में आज का दिन बेहद अहम है। आज अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की NCB कस्टडी समाप्त हो रही है। आर्यन के अलावा रविवार को गिरफ्तार हुए 7 अन्य आरोपियों की कस्टडी भी आज ही खत्म हो रही है। माना जा रहा है कि NCB इनकी आगे की कस्टडी मांग सकती है।

मनीष के परिवार ने कहा- उसने देशहित में काम किया है

NCP नेता नवाब मलिक ने क्रूज ड्रग्स पार्टी मामले में ह्ष्टक्क की ओर से की गई कार्रवाई पर सवाल उठाया है। ऑपरेशन के दौरान बीजेपी कार्यकर्ता मनीष भानुशाली उनमें से एक को वीडियो में कैद करते नजर आए। मनीष भानुशाली डोंबिवली MIDC आवासीय क्षेत्र के अखिल सुदामा में रहते हैं। मनीष भानुशाली के परिवार ने नवाब मलिक द्वारा लगाए गए आरोपों के बारे में मनीष भानुशाली के भाई महेंद्र, मनीष की मां भगवती से संपर्क किया।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री ने निवास परिसर में मुनगा का पौधा रोपा

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने निवास परिसर में मुनगा का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान अपने संकल्प के क्रम में प्रतिदिन पौधा लगा रहे हैं। सेंजन, मुनगा या सहजन आदि नामों से जाना जाने वाला सहजन औषधीय गुणों से भरपूर है। इसके अलग-अलग हिस्सों में विभिन्न रोगों से रोकथाम के गुण हैं। यह कई प्रकार के मल्टी विटामिन्स, एंटी ऑक्सीडेंट, दर्द निवारक और एमिनो एसिड से भरपूर हैं। सहजन में विटामिन-सी भी बड़ी मात्रा में होता है। इसकी कच्ची-हरी फलियाँ सर्वाधिक उपयोग में लायी जाती हैं।

राज्य स्तरीय वन्य-प्राणी सप्ताह में हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता हुए पुरस्कृत

भोपाल। वन्य-प्राणी सप्ताह में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों से प्रेरणा लेकर वन्य-प्राणियों के संरक्षण, संवर्धन और सुरक्षा के प्रति सतत रूप से लगाव पैदा करने की जरूरत है। यह बात प्रधान मुख्य वन संरक्षण एवं वन बल प्रमुख श्री रमेश कुमार गुप्ता ने वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में राज्य स्तरीय वन्य-प्राणी सप्ताह के समापन अवसर पर विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित करते हुए कही। वन बल प्रमुख श्री गुप्ता ने समारोह में मौजूद विद्यार्थियों और शिक्षकों से आव्हान किया कि स्कूली पाठयक्रम में वन्य-प्राणियों पर एक विषय को शामिल कराए जाने के लिए विशेष पहल किए जाने की जरूरत है। उन्होंने स्कूलों की लायब्रेरी वन्य-प्राणियों की जानकारी रखे जाने के लिए मुहिम चलाने पर जोर दिया।

67 विजेताओं को किया पुरस्कृत:- राज्य स्तरीय वन्य-प्राणी सप्ताह के दौरान हुई फोटोग्राफी, प्रदर्शनी, चित्रकला, रंगोली फोटोग्राफी , मेंहदी पॉम पेंटिंग, %जस्ट ए मिनिट% प्रतियोगिता (सीनियर और जूनियर), सृजनात्मक प्रतियोगिता, फैंसीड्रेस और फेस पेंटिंग प्रतियोगिता में 67 विजेताओं को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार और प्रशस्ति -पत्र प्रदान किए गए।

विभिन्न पुस्तकों का हुआ विमोचन:- वन बल प्रमुख श्री रमेश कुमार गुप्ता ने बांधवगढ़ रिजर्व, कान्हा टाइगर रिजर्व, मध्यप्रदेश में पक्षी पर केन्द्रित पुस्तक और म.प्र. राज्य ऑनलाइन जैव विविधिता विजन 2021 पर केन्द्रित पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर वन विहार राष्ट्रीय उद्यान जू भोपाल और संजय टाइगर रिजर्व पर बनाए गए वृत्तचित्र का प्रीमियर शो किया गया। इसके अलावा बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की काफी टेबल बुक का विमोचन और वेबसाईट लाँच की गई। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन प्रमुख श्री गुप्ता ने वन्य-प्राणियों के संरक्षण, संवर्धन और सुरक्षा संबंधी सभी को शपथ दिलाई।

प्रदेश में कोरोना से बचाव के लिए सराहनीय कार्य हुए : राज्यपाल पटेल

» सबसे गरीब को योजनाओं का लाभ सबसे पहले दिलाएँ
» अधिकारी हर दिन अच्छा काम करें और इसके लिए प्रेरित भी करें

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल ने कहा है कि शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सबसे पहले जो सबसे ज्यादा गरीब है, उन्हें मिलना चाहिए। समाज के ऐसे लोग जो निरक्षर व अनपढ़ हैं, योजनाओं की जानकारी भी नहीं है, उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाना सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी समझें। राज्यपाल श्री पटेल आज अमरकंटक में आयोजित बैठक में अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि हर अधिकारी हर दिन अच्छा काम करें और अन्य लोगों को भी अच्छा काम करने के लिए प्रेरित करें। हर अधिकारी में गरीबों की मदद करने की संवेदना और सेवाभाव होना चाहिए। कोरोना काल में प्रदेश के चिकित्सकों और अन्य अधिकारियों ने सेवाभाव से समर्पित होकर कार्य किया। कई चिकित्सकों, अधिकारी एवं कर्मचारियों ने लोगों की सेवा करते हुए अपना जीवन बलिदान कर दिया। राज्यपाल श्री पटेल ने अनूपपुर जिले में कोरोना की स्थिति की जानकारी लेते हुए कहा कि जिन अधिकारियों-कर्मचारियों की मृत्यु कोरोना से हुई है, उनके परिजनों को कोरोना योद्धा कार्यक्रम एवं अनुकंपा नियुक्ति योजना का लाभ प्राथमिकता से दिलवाना सुनिश्चित करें। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश में कोरोना वायरस से बचाव के लिए बहुत अच्छा कार्य सब ने मिलकर किया है। इस बात का मुझे गर्व है। उन्होंने कहा कि सिकलसेल जैसी भयावह बीमारी के बचाव के लिए भी जनजातीय क्षेत्रों में प्रयास होने चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सिकलसेल की बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों में निरंतर प्रयास होना चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल ने अनूपपुर जिले में सिकलसेल से बचाव के लिए किए जा रहे प्रयासों के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अनूपपुर ने बताया कि जिले में लगभग 77 हजार लोगों का सिकलसेल की बीमारी का सर्वे हुआ है, जिसमें लगभग 13 हजार लोग सिकलसेल पॉजिटिव पाए गए हैं और 1200 मरीज हैं। मरीजों का निरंतर उपचार किया जा रहा है और सिकलसेल बीमारी का सर्वेक्षण भी निरंतर चल रहा है। सिकलसेल से पीड़ित लोगों को निःशुल्क दवाइयाँ मुहैया कराई जा रही है और उन्हें खून बदलने की भी सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। राज्यपाल श्री पटेल द्वारा सिकलसेल की बीमारी से बचाव के लिए देश के विशेषज्ञ चिकित्सकों से मार्गदर्शन लेने एवं उनकी सेवाएँ लेने के भी निर्देश दिए, वहीं सिकलसेल बीमारी के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए कॉन्फ्रेंस एवं कार्यशाला भी आयोजित करने की बात कही। कलेक्टर अनूपपुर सुश्री सोनिया मीणा ने बताया कि अनूपपुर जिले में कोरोना से बचाव के लिए 4 लाख 90 हजार से अधिक व्यक्तियों को प्रथम चरण का टीका लगाया जा चुका है। उन्होंने बताया कि जिले में तेजी से टीकाकरण किया जा रहा है। द्वितीय चरण के टीकाकरण का कार्य भी प्रगति पर है। कलेक्टर ने अनूपपुर जिले में ऑक्सीजन प्लांट स्थापित करने की प्रगति की जानकारी से भी राज्यपाल श्री पटेल को अवगत कराया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि शहडोल संभाग में कमिश्नर शहडोल संभाग श्री राजीव शर्मा की पहल पर संवेदना अभियान चलाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने किया प्रधानमंत्री केयर फंड से जे.पी. अस्पताल में बने दो ऑक्सीजन प्लांट का वर्चुअल लोकार्पण

कोरोना से निपटने में दुनिया ने देखा भारतीयों का साहस : मोदी

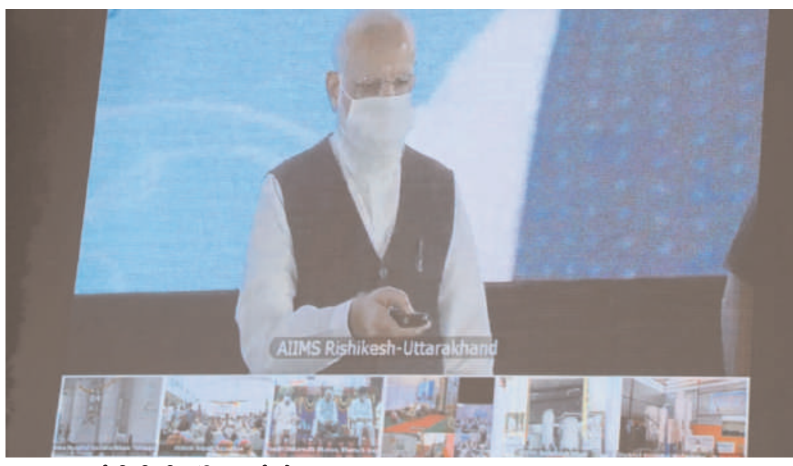

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि कोविड संक्रमण के रूप में आयी सौ साल की सबसे बड़ी त्रासदी का सामना भारतीयों ने जिस बहादुरी से किया उसे दुनिया ने बहुत बारीकी से देखा है। कोरोना संक्रमण आरंभ होने के समय एक टेस्टिंग लैब थी, जिसे बढ़ाकर 3 हजार लैब का नेटवर्क बनाना, देश और दुनिया को मेड इन इंडिया कोरोना वैक्सीन उपलब्ध कराना, व्यापक स्तर पर टीकाकरण महाअभियान का संचालन और दूर-दराज के क्षेत्रों तक वेंटीलेटर की उपलब्धता सुनिश्चित करना हमारी एकजुटता और सेवा-भाव का प्रतीक है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने एम्स ऋषिकेश से 35 राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों में स्थापित 35 पीएसए ऑक्सीजन प्लांट्स देश को वर्चुअली लोकार्पित किए। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भोपाल स्थित जे.पी. अस्पताल परिसर में प्रधानमंत्री केयर फंड से निर्मित दो ऑक्सीजन प्लांट का भी वर्चुअल लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने जे.पी. अस्पताल परिसर में स्थापित दोनों ऑक्सीजन प्लांट का बटन दबाकर शुभारंभ किया।

दस गुना बढ़ाया ऑक्सीजन उत्पादन

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि कोरोना संक्रमण से निपटने में देश की अधिक जनसंख्या और भौगोलिक विविधता बड़ी चुनौती थी। इस चुनौती का भारत की जनता ने मिलकर सामना किया और क्षमताएँ विकसित की। देश में कोरोना संक्रमण से पहले 900 मीट्रिक टन लिक्विड ऑक्सीजन का उत्पादन होता था, ?जिसे माँग बढ़ने पर दस गुना बढ़ाने में हम सफल रहे। यह विश्व के लिए अकल्पनीय है।

देश का हर जिला पी.एम. केयर से बने ऑक्सीजन प्लांट्स से लैस

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा ?कि ऑक्सीजन का परिवहन भी चुनौतीपूर्ण था। ऑक्सीजन का उत्पादन पूर्वी भारत में होता है, जबकि कोरोना संक्रमण के काल में उत्तर भारत और देश के पश्चिमी भागों में ऑक्सीजन की माँग तुलनात्मक रूप से अधिक थी। इस स्थिति में ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेन चलाकर और वायुसेना के विमानों से खाली टैंकर ऑक्सीजन के उत्पादन केन्द्रों तक पहुँचाकर जल्द से जल्द ऑक्सीजन की आपूर्ति सभी आवश्यक स्थानों पर सुनिश्चित की गई। हम भविष्य में कोरोना से लड़ाई के लिए ऑक्सीजन नेटवर्क को तैयार करने और उसे सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्यरत हैं। देश में 1150 ऑक्सीजन प्लांट आरंभ हो चुके हैं। देश का हर जिला पी.एम. केयर से बने ऑक्सीजन प्लांट्स से लैस हो चुका है। देश को 4 हजार नए ऑक्सीजन प्लांट मिलने जा रहे हैं।

देश में एक लाख 30 हजार से ज्यादा टीकाकरण केन्द्र स्थापित

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि देश में 93 करोड़ कोरोना वैक्सीन डोज़ लगाए जा चुके हैं। जल्द ही हम 100 करोड़ के आँकड़े को पार कर जाएँगे। देश में एक लाख 30 हजार से ज्यादा टीकाकरण केन्द्र स्थापित किए गए हैं। हमने कोविन प्लेटफार्म से दुनिया को राह दिखाई कि शत-प्रतिशत टीकाकरण की ओर किस प्रकार अग्रसर हुआ जा सकता है।

22 एम्स स्थापित होंगे

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि देश के अस्पताल पहले से अधिक सक्षम हों, इस दिशा में निरंतर कार्य जारी है। प्रत्येक राज्य तक एम्स (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान) को पहुँचाने का प्रयास हो रहा है। इस दिशा में 6-7 वर्ष पहले कुछ ही राज्यों में एम्स थे। अब हर राज्य में एम्स का लक्ष्य प्राप्त करने की ओर हम अग्रसर हैं। पिछले सात वर्षों में 170 मेडिकल कॉलेज आरंभ किए गए हैं। हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित किया जाएगा। ई-संजीवनी ऐप से सुदूरवर्ती गाँवों में रह रहे लोगों को स्वास्थ्य सुविधा और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है।

सही हक़दार तक उसका अधिकार आसानी से पहुँचे:- प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि 21वीं सदी का भारत जनता की अपेक्षाओं का समाधान करते हुए आगे बढ़ेगा। अब सरकार इसकी प्रतीक्षा नहीं करती कि जब व्यक्ति अपनी समस्याएँ आकर बताएंगे, तो हम उनका समाधान करेंगे। हमारी सरकार सोच के इस तरीके को बदल रही है। अब सरकार नागरिकों की समस्याओं के समाधान और उनके कल्याण के लिए स्वयं नागरिकों तक पहुँच रही है। मुफ्त राशन, किसानों के खाते में सीधे राशि भेजने जैसे जनहित के कार्यों पर विशेष फोकस रहेगा। सही हक़दार तक उसका अधिकार आसानी से पहुँचे, यह हमारी प्रतिबद्धता है।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने जेसी अस्पताल भोपाल में पीएम केयर फंड से स्थापित दो ऑक्सीजन प्लांट का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री चौहान द्वारा होटल ताज लेक फंट का शुभारंभ

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भदभदा चौराहा स्थित होटल ताज लेक फ्रंट का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि यह प्रदेश में पर्यटन के क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है। ताज होटल अपनी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रसिद्ध है और यह सुखद है कि अब भोपाल आने वाले पर्यटकों को भी इसका लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने फीता काटकर और दीप प्रज्जवलित कर होटल ताज लेक फ्रंट का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विजिटर्स बुक पर अपने विचार भी अंकित किए। उन्होंने होटल के सभागार व अन्य भागों का अवलोकन किया और होटल में उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर खजुराहो सांसद श्री वी.डी. शर्मा भी उपस्थित थे।

प्रभारी मंत्री ने किया चंदेरी विद्युत सब स्टेशन का निरीक्षण

ऊर्जा मंत्री एवं अशोकनगर जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने आज गुरुवार को सुबह चंदेरी में 132 केव्ही विद्युत सब-स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से विद्युत आपूर्ति तथा विद्युत समस्या के निराकरण के संबंध में चर्चा कर जानकारी ली। इसके अलावा शहर की सफाई व्यवस्था भी देखी। गंदगी मिलने पर प्रभारी मंत्री नाराज हुए और उन्होंने खुद झाड़ू लगाकर साफ-सफाई की। उन्होंने पर्यटन स्थलों और सार्वजनिक स्थलों की साफ सफाई कराये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने एसडीएम को निर्देशित किया कि साफ-सफाई व्यवस्था में लापरवाही करने वाले शासकीय सेवकों के विरूद्ध कार्यवाही की जाए।

न्यूज ब्रीफ

श्रेय फिर शुरू करेगी कारोबार

मुंबई। कोलकाता के श्रेय समूह के नए प्रशासक इस गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधन से आज मिले और उन्हें भरोसा दिलाया कि बदलाव की इस अवधि में किसी को नौकरी से हटाया नहीं जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को रजनीश शर्मा को श्रेय का नया प्रशासक नियुक्त किया था। शर्मा ने कहा कि यह एनबीएफसी दोबारा कारोबार शुरू करेगी और ऋणों की वसूली पर ध्यान देगी। आरबीआई ने श्रेय इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनैंस लिमिटेड (एसआईएफएल) और श्रेय इक्विपमेंट फाइनैंस लिमिटेड (एसईएफएल) के बोर्डों को प्रशासनिक खामियों और देनदारी चुकाने में कंपनियों की नाकामी के कारण बर्खास्त कर दिया था। श्रेय इक्विपमेंट फाइनैंस, श्रेय इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनैंस के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक इकाई है। श्रेय इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनैंस शेयर बाजारों में सूचीबद्ध है। कुछ साल पहले एसआईएफएल की सभी परिसंपत्तियां एसईएफएल को हस्तांतरित कर दी गईं थी और एसईएफएल ही ऋण दे रही थी। एसआईएफएल केवल परामर्श सेवाओं का काम कर रही थी। श्रेय इक्विपमेंट फाइनैंस का खनन उपकरण ऋणों पर सबसे ज्यादा जोर था, जिसने राजस्व में 85 फीसदी योगदान दिया। प्रशासक की कारोबार दोबारा शुरू करने की योजना को एसईएफएल को उबारने की दिशा में एक अहम कदम के रूप में देखा जा रहा है। इसकी वजह यह है कि कंपनी ने पिछले साल नवंबर से ऋण देना बंद कर दिया था। उस समय बैंकों ने श्रेय के नकदी प्रवाह को अपने नियंत्रण में ले लिया था और इसे किसी खर्च या ऋण देने के लिए पहले बैंकों से मंजूरी लेनी पड़ती थी। समूह के पास 2020-21 में कुल 39,498 करोड़ रुपये की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां थीं। समूह का राजस्व 2020-21 में 3,488 करोड़ रुपये था, जो इससे पिछले साल 6,120 करोड़ रुपये था। सूचीबद्ध कंपनी श्रेय इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनैंस को जून 2021 में समाप्त तिमाही में 23.01 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था, जो पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 46 फीसदी कम था। कुल आय भी 2020-21 की अप्रैल-जून अवधि में घटकर 1,214.45 करोड़ रुपये रह गई, जो 2019-20 की इसी तिमाही में 1,579.59 करोड़ रुपये थी।

रोड टैक्स में 25 फीसदी की छूट : व्हीकल को कबाड़ में देने पर मिलेगी ये छूट, पुरानी गाड़ी का रजिस्ट्रेशन रिन्यू कराने पर 8 गुना ज्यादा चार्ज देना होगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अब पुराने व्हीकल को कबाड़ में देने या स्क्रैप कराने पर सरकार की तरफ से रोड टैक्स पर 25 फीसदी तक की छूट मिलेगी। यह फैसला केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने लिया है, जो राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू होगा। मंत्रालय का कहना है कि वाहन को स्क्रैपिंग के लिए जमा कराने पर एक सर्टिफिकेट मिलेगा, इसी के आधार पर यह छूट दी जाएगी। यह छूट पर्सनल व्हीकल पर 25 फीसदी और कॉमर्शियल पर 15 फीसदी तक होगी। मंत्रालय ने कहा कि यह छूट कॉमर्शियल व्हीकल के मामले में 8 साल और नॉन कॉमर्शियल व्हीकल के मामले में 15 साल तक होगी।

पहले से 8 गुना महंगा हो जाएगा पुरानी गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन का रिन्यूअल

दरअसल, रोड टैक्स में 25 फीसदी तक की छूट नेशनल व्हीकल स्क्रैपिंग पॉलिसी के तहत दी जाएगी। अब 15 साल पुराने वाहन के रजिस्ट्रेशन रिन्यूअल के लिए 5 हजार रुपए देने होंगे। ये राशि मौजूदा रिन्यूअल चार्ज से 8 गुना ज्यादा है। अभी पुरानी गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन को रिन्यू कराने का चार्ज 600 रुपए है। लेकिन 15 साल पुरानी गाड़ियों के लिए यह 5000 रुपए हो जाएगा। नया नियम अगले साल अप्रैल में लागू होगा। अभी पुरानी बाइक का रजिस्ट्रेशन रिन्यू कराने के लिए 300 रुपए देने होते हैं जो बाद में नए नियम के मुताबिक 1000 रुपए हो जाएगा। 15 साल से अधिक पुराने बस या ट्रक के फिटनेस रिन्यूअल सर्टिफिकेट के लिए 12,500 रुपए देने होंगे। अभी यह दर 1500 रुपए है। अगर गाड़ी मीडियम गुड्स या पैसेंजर मोटर व्हीकल है तो उसका चार्ज 10,000 रुपए होगा। स्क्रैपेज पॉलिसी के तहत फिटनेस टेस्ट और स्क्रैपिंग सेंटर से जुड़े नियम 1 अक्टूबर 2021 से लागू हो गए हैं। सरकारी और PSU से जुड़े 15 साल पुराने व्हीकल को स्क्रैप करने वाले नियम 1 अप्रैल 2022 से लागू होंगे। कॉमर्शियल व्हीकल्स के लिए जरूरी फिटनेस टेस्टिंग से जुड़े नियम 1 अप्रैल 2023 से लागू होंगे।

टेलीग्राम का जैकपॉट

फेसबुक आउटेज की वजह से इस ऐप से 1 दिन में 7 करोड़ यूजर्स जुड़े

» फीचर्स के चलते हिट हो रहा ऐप

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

5 अक्टूबर की शाम टेलीग्राम ऐप के लिए ऐतिहासिक बन गई। इस दिन इस ऐप से 7 करोड़ यूजर्स जुड़े। टेलीग्राम की इस बड़ी कामयाबी के पीछे फेसबुक आउटेज का बड़ा हाथ रहा। दरअसल, इसी दिन शाम को फेसबुक समेत वॉट्सऐप और इंस्टाग्राम ठप हो गए थे। जो 6 घंटे से ज्यादा बंद रहे। इन प्लेटफॉर्म के बंद होने का फायदा टेलीग्राम को मिला। बता दें कि टेलीग्राम पर मंथली एक्टिव यूजर्स की संख्या 500 मिलियन (50 करोड़) के पार हो गई है। टेलीग्राम के सीईओ पावेल डुरोव ने बताया कि फेसबुक आउटेज के दौरान टेलीग्राम से बड़े पैमाने पर यूजर्स जुड़े। टेलीग्राम की डेली ग्रोथ रेट रिजल्ट के क्रम से मानक से अधिक हो गई है। हमने एक दिन में अन्य प्लेटफार्म से 7 करोड़ से अधिक यूजर्स का वेलकम किया। हमें इस बात पर गर्व है कि हमारी टीम ने इसे बेहतर तरीके से संभाला है।

वॉट्सऐप आउटेज को ट्रैक करने वाली वेबसाइट डाउनडेक्टर के अनुसार, 40 प्रतिशत यूजर्स ऐप डाउनलोड करने में असमर्थ थे। 30 प्रतिशत को संदेश भेजने में समस्या थी। 22 प्रतिशत को वेब एडिशन में समस्या थी।

टेलीग्राम ऐप के खास फीचर्स

सभी चैट पर कर पाएंगे पेमेंट- टेलीग्राम में पेमेंट बॉट 2017 से मौजूद है। ये यूजर्स को सुरक्षित तरीके से पेमेंट करने की अनुमति देता है। अब यहां व्यापारी किसी भी चैट पर क्रेडिट कार्ड से पेमेंट एक्सेप्ट कर पाएंगे। पेमेंट अब किसी भी ऐप से किया जा सकता है। इसमें डेस्कटॉप ऐप भी शामिल है। कंपनी इसमें कोई कमीशन नहीं लेती और ना ही पेमेंट की डिटेल अपने पास सेव करती है।

वॉइस चैट होगा शेड्यूल: टेलीग्राम पर वॉइस चैट को शेड्यूल कर सकते हैं। ग्रुप एडमिन और चैनल्स वॉइस चैट को डेट और टाइम डालकर शेड्यूल कर सकते हैं। ये कम्युनिटी मेंबर्स को अपने दोस्तों का पता लगाने और कॉल करने के लिए समय देता है।

चैटिंग के दौरान बदले प्रोफाइल फोटो- प्रोफाइल पिक्चर और बायो को बेहतर आइडिया के साथ चैटिंग के दौरान एक्सपेंड कर पाएंगे। इसके लिए आपको वॉइस चैट विंडो से बाहर निकलने की जरूरत नहीं होगी। इस फीचर को वॉइस चैट के लिए मिनी प्रोफाइल कहा जाता है।

एनिमेटेड स्टीकर्स, डार्क मोड- टेलीग्राम पर दो नए फुली-फीचर्ड टेलीग्राम वेब ऐप से जोड़ा है। दोनों एनिमेटेड स्टीकर्स, डार्क मोड, चैट फोल्डर्स जैसे कई फीचर्स को सपोर्ट करते हैं। आप किसी भी डिवाइस- डेस्कटॉप या मोबाइल पर अपनी चैट पर इंस्टेंट पहुंच जाएंगे।

सस्ता हुआ होम लोन

बैंक ऑफ बड़ौदा ने होम लोन की ब्याज दरों में कटौती की, अब 6.50 फीसदी ब्याज पर मिलेगा कर्ज

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

बैंक ऑफ बड़ौदा ने होम लोन की ब्याज दरों में 0.25 फीसदी की कटौती है। अब बैंक की होम लोन की ब्याज दर 6.50 फीसदी से शुरू होगी। नई ब्याज दर का फायदा नए लोन के अलावा दूसरे बैंक से ट्रांसफर होकर आए होम लोन पर भी मिलेगा। नई दरें 7 अक्टूबर 2021 से लागू हो गई हैं और इसका फायदा 31 दिसंबर तक मिलेगा। ये ब्याज दर किसी भी अन्य बैंक से कम है।

नहीं देनी होगी प्रोसेसिंग फीस: - बैंक ने होम लोन पर प्रोसेसिंग फीस पहले ही माफ कर रखी है। बैंक ने 31 दिसंबर 2021 तक प्रोसेसिंग फीस नहीं लेने का फैसला किया है। यानी अभी लोन लेने पर आपको डबल फायदा मिलेगा।

कई बैंक 7 फीसदी से भी कम ब्याज दर पर दे रहे होम लोन

इस समय कई बैंक 7 फीसदी से भी कम ब्याज दर पर होम लोन दे रहे हैं। कोटक महिंद्रा बैंक की होम लोन ब्याज दर 6.65 फीसदी से वहीं, LIC हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड की होम लोन ब्याज दर 6.66 फीसदी से शुरू होती है।

गिरावट के बाद फिर 47 हजार के करीब पहुंचा सोना, दीवाली तक 49 हजार तक जा सकता है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

पिछले दिनों की गिरावट के बाद सोने-चांदी की चमक फिर बढ़ने लगी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार आज सर्राफा बाजार में सोना 281 रुपए महंगा होकर 46,885 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। वायदा बाजार की बात करें तो दोपहर 1 बजे स्र्टङ्क पर सोना 27 रुपए की बढ़त के साथ 46,934 रुपए पर ट्रेड कर रहा है।

चांदी की चमक भी बढ़ी:- चांदी की बात करें तो सर्राफा बाजार में ये 562 रुपए की बढ़त के साथ 61,078 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। MCX पर भी ये दोपहर 1 बजे 377 रुपए की बढ़त के साथ 61,380 रुपए पर ट्रेड कर रही है।

आने वाले दिनों में जारी रह सकती है तेजी:- जानकारों का कहना है कि डॉलर और बॉन्ड पर मिलने वाले इंट्रेस्ट में तेजी के कारण सोने की कीमत पर दबाव बना हुआ है। हालांकि, कच्चे तेल के भाव में तेजी के कारण दुनिया में महंगाई दर में इजाफा होगा। ऐसे में आने वाले दिनों में भी इसके दाम में तेजी रह सकती है। इसके अलावा फेस्टिवल सीजन में सोने की डिमांड में तेजी आएगी और इससे कीमत में बढ़ोतरी हो सकती है। त्योहारों के बीच देश में सोने की मांग पटरी पर लौट आई है। बीते महीने यानी सितंबर में 91 टन सोने का आयात हुआ। यह सितंबर 2020 के मुकाबले 658 फीसदी और कोविड महामारी शुरू होने से पहले यानी सितंबर 2019 के मुकाबले 250 फीसदी ज्यादा है। पिछले साल के मुकाबले सोने की कीमतों में 20 फीसदी कमी और इस साल त्योहारों में बेहतर मांग की संभावना ने सोना आयात बढ़ा दिया है। पिछले साल सितंबर में सिर्फ 12 टन सोने का आयात हुआ था। सितंबर 2019 में भी केवल 26 टन सोने का आयात हुआ था।

कोयला आपूर्ति के नियम बदलेंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

केंद्र कोयले की आपूर्ति और ताप विद्युत संयंत्रों में उसके भंडारण के नए नियम बनाएगा ताकि मांग-आपूर्ति का गणित बिगडऩे जैसी हालत पैदा नहीं हो, जो इस बार पैदा हुई है। कोयला और ऊर्जा मंत्रालय ने मिलकर ताप विद्युत इकाइयों के लिए मासिक कोयला आपूर्ति कार्यक्रम तैयार करने का फैसला लिया है ताकि मार्च के अंत तक सभी विद्युत इकाइयों के पास कम से कम चार करोड़ टन का भंडार रहे। अधिकारियों ने कहा कि इस समय ताप विद्युत इकाइयों के पास कोयले का करीब 73 लाख टन का भंडार है। उन्होंने कहा कि कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने आपूर्ति बढ़ाई है और उसने इस महीने के अंत तक करीब 30 लाख टन की आपूर्ति का लक्ष्य तय किया है। ऊर्जा मंत्रालय में सचिव आलोक कुमार ने बिज़नेस स्टैंडर्ड से बातचीत में कहा कि उन्होंने ताप बिजली संयंत्रों के लिए कोयला भंडारण के नियम संशोधित करने और बिजली संयंत्रों की आवश्यक मांग के मुतबिक इसकी गणना के लिए केंद्रीय बिजली प्राधिकरण (सीईए) के साथ बातचीत की है। सीईए ऊर्जा मंत्रालय की तकनीकी इकाई है।

यह कोयला भंडार के आंकड़े इस आधार पर इकट्ठे करती है कि बिजली उत्पादक इकाई में कितने दिन का भंडार बचा है। कुमार ने कहा कि इससे सही तालमेल कायम नहीं हो पाता है क्योंकि इसे अधिक मांग की अवधि में कम और कम मांग की अवधि में ज्यादा माना जा सकता है।

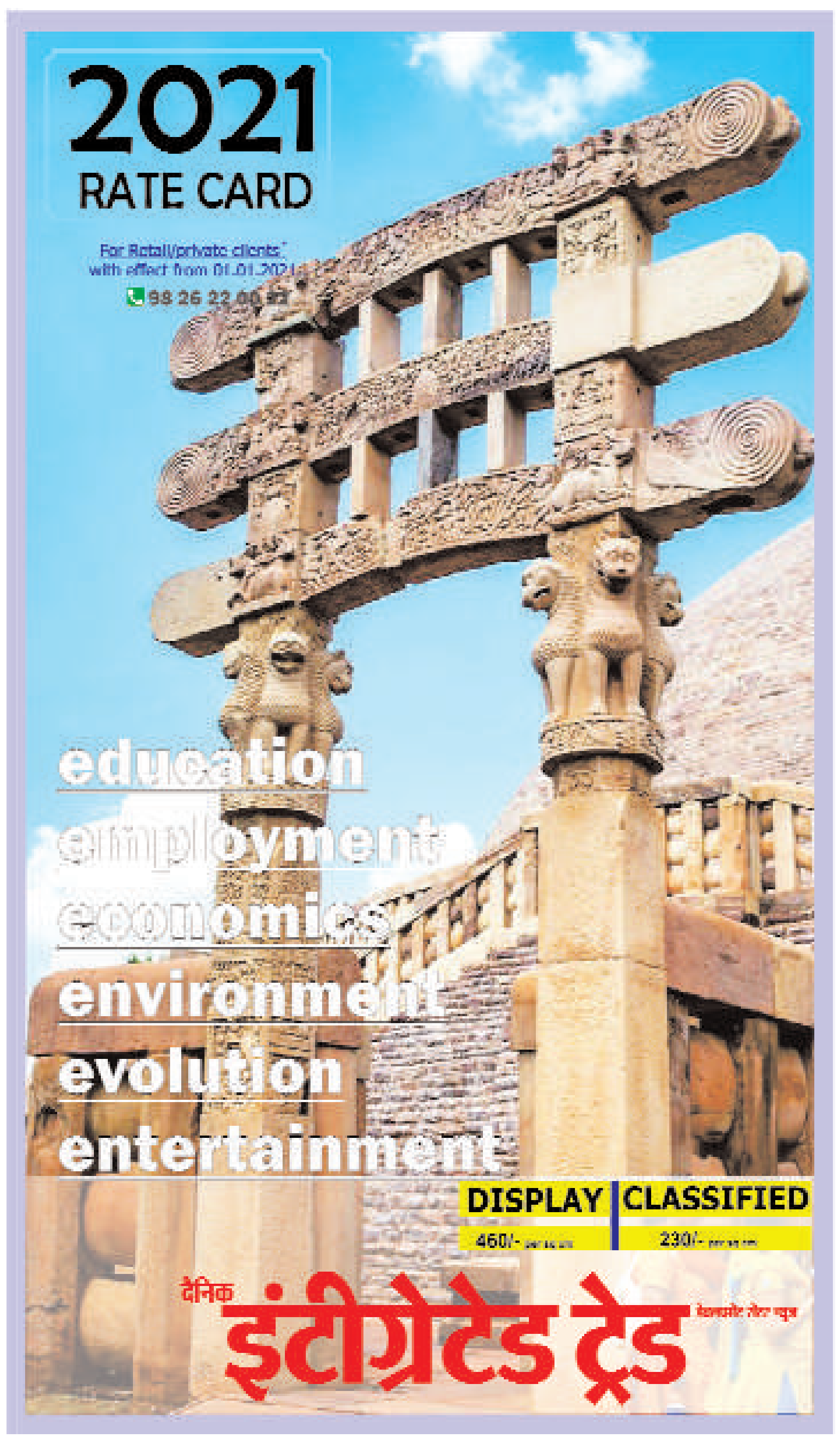

सितंबर तिमाही से 8 फीसदी ज्यादा कंपनियां दिखा रहीं भर्तियों में दिलचस्पी, टीकाकरण के साथ इकोनॉमिक एक्टिविटी बढ़ने से सेंटीमेंट हुआ बेहतर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

नई नौकरी ढूंढ रहे लोगों के लिए ये तीन महीने अच्छे रहने वाले हैं। दिसंबर तिमाही में सितंबर से ज्यादा कंपनियां भर्तियां करने के बारे में सोच रही हैं। इस बात का पता टीमलीज की हालिया एंप्लॉयमेंट आउटलुक रिपोर्ट से चला है। असल में कंपनियों ने कोविड से बने मुश्किल हालात के हिसाब से खुद को ढाल लिया है। टीमलीज ने हायरिंग को लेकर जितनी

कंपनियों पर सर्वे किया है, उनमें से 41 फीसदी दिसंबर तिमाही में भर्तियां करने के बारे में सोच रही हैं। सितंबर तिमाही में 38 फीसदी कंपनियों ने हायरिंग करने का इरादा जताया था, जबकि पिछले साल जून और सितंबर तिमाही में औसतन 18 फीसदी कंपनियां ही भर्ती के बारे में सोच रही थीं। अच्छी बात यह है कि कंज्यूमर सेंटीमेंट बेहतर होने से मेट्रो और टीयर 1 शहरों के अलावा टीयर 2 और 3 शहरों की कंपनियां भी भर्तियों में ज्यादा दिलचस्पी ले रही हैं। मैरिको के सीईओ और एमडी सौगत गुप्ता कहते हैं, %हाई ग्रोथ वाले सेक्टर की कुछ कंपनियां छंटनी से पहले वाले लेवल पर आने की कोशिश करेंगी और कुछ कंपनियां नई भर्तियां करेंगी। स्टार्टअप और नए जमाने की कंपनियों को इस साल काफी फंड मिला है। टीमलीज ने अपने सर्वे में 21 सेक्टर की 650 छोटी, मझोली और बड़ी कंपनियों को शामिल किया था। इस सर्वे रिपोर्ट में पता चला है कि टीकाकरण बढ़ने, दफ्तर खुलने के साथ ही डिमांड और इकोनॉमिक एक्टिविटी बढ़ने से हर सेक्टर, इंडस्टी, साइज की कंपनियों का उत्साह बढ़ा है।

चौराहे पर लोकतंत्र

- सर्वमित्रा सुरजन

लोकतंत्र में बहुमत राजनैतिक तौर पर ताकतवर होने का प्रतीक होता है, लेकिन बहुमत उच्छृंखलता की ओर बढ़े तो लोकतंत्र कमजोर होता है। यह देखना दुखद है कि इस वक्त गोदी मीडिया लोकतंत्र को कमजोर करने की इस मुहिम में भागीदार बन रहा है। किसान आंदोलन को लेकर नफरती माहौल बनाने में मीडिया की बड़ी भूमिका रही है। इस वजह से बहुत से लोग यह मानने लगे हैं कि किसान आंदोलन के कारण उनका बहुत नुकसान हो रहा है। उत्तरप्रदेश के लखीमपुर खीरी में किसानों को गाड़ी से कुचलने का मामला भाजपा सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद दब नहीं सकेगा, ऐसा प्रतीत होता है। सरकार ने तो 20 घंटे के भीतर ही मामला निपटाने का दावा किया है। इससे पहले गोरखपुर में व्यवसायी की पुलिस जांच में हत्या का मामला भी इसी तरह खत्म किया गया था। लेकिन इन मामलों में इंसाफ तो अब तक हुआ ही नहीं है, केवल समझौता हुआ है। व्यवसायी की पत्नी को भी मुआवजा और नौकरी का आश्वासन मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने दिया और मृतक किसानों के परिजनों को भी ऐसा ही भरोसा दिलाया गया है। इससे पहले हाथरस मामले में भी मुआवजे की बात हुई थी। सरकार किसी दुर्घटना, प्रशासनिक चूक के कारण हुए नुकसान या किसी आकस्मिक आपदा के बाद मुआवजे का ऐलान करे तो यह उसका कर्तव्य निर्वहन माना जाएगा। लेकिन अभी जिस तरह मामले को रफा-दफा करने, विरोध की आवाज को दबाने के लिए मुआवजे की घोषणा होती है, उससे रिश्वत की बू आती है। गरीब जनता इंसाफ के लिए लड़ने जाएगी, तो भी इस बात की आशंका है कि उसे नाउम्मीदी ही हाथ लगेगी, खर्चीली और लंबी न्यायिक प्रक्रिया हर कोई सहन नहीं कर सकता। इसलिए बची-खुची जिंदगी जीने मिल जाए, इस खयाल से मुआवजे को स्वीकार कर लेती है। लेकिन अत्याचार और मुआवजे के बीच लोकतंत्र, मानवाधिकार और इंसानियत के कई सवाल हैं, जो अनुत्तरित ही रह जाते हैं। उत्तरप्रदेश की घटना इस वक्त सुर्खियों में है, क्योंकि यह एक चुनावी प्रदेश है। हिंदी पट्टी का प्रमुख राज्य होने के कारण राजनैतिक तौर पर भी इसका खासा महत्व है, इसलिए यहां के मामले राष्ट्रीय चर्चा का विषय बनते हैं। फिर इस बार तो विपक्ष ने, खासकर कांग्रेस ने इस तरह मोर्चा संभाला कि भाजपा सरकार हर ओर से घिरती नजर आई। आखिरकार तीन दिन बाद ही सही लेकिन कांग्रेस नेताओं को लखीमपुर जाने की इजाजत योगी सरकार ने दी है। अब ये मामला कौन सा मोड़ लेगा, सरकार आरोपियों पर किस तरह कार्रवाई करेगी, आगामी चुनाव पर इसका क्या असर होगा, क्या योगी फिर से भाजपा के लिए मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे, कांग्रेस को क्या अपने पैर जमाने में मदद मिलेगी, क्या कांग्रेस अब प्रियंका गांधी को मुख्यमंत्री का चेहरा बनाएगी, क्योंकि लखीमपुर मामले ने उनकी संघर्षशीलता का एक नया पहलू जनता के सामने रखा है, क्या कांग्रेस का साथ देने बाकी विपक्षी दल सामने आएंगे, या एक बार फिर सब अपनी-अपनी लड़ाई लड़ेंगे, 2021 का यह मामला क्या 2024 तक लोगों की याद में रहने दिया जाएगा या जनता का ध्यान भटकाने के लिए कई और मुद्दे खड़े कर दिए जाएंगे, ऐसे कई सवाल आने वाले वक्त में अपनी परतें खोलेंगे। फिलहाल गौर फरमाने की बात यह भी है कि अगर यह घटना उत्तरप्रदेश में नहीं हुई होती, तब भी क्या इतने दिन जिंदा रह पाती। लखीमपुर में जिस तरह निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को जाने से सरकार ने रोका, कमोबेश वैसी ही रोक जम्मू-कश्मीर में भी लगाई गई थी। कानून-व्यवस्था के नाम पर धारा 144 लगा देना, इंटरनेट बंद करना, विपक्षी नेताओं की आवाजाही रुकवाना यह सब अब आम चलन बनता जा रहा है। लेकिन इससे एक ही संदेश निकल रहा है कि सरकार को अपनी कमजोरियों का एहसास है और वह लोकतंत्र से डर रही है। आजादी का अमृत महोत्सव देश भर में घूम-घूम कर सरकार मना रही है। लेकिन इस अमृत का कितना हिस्सा जनता को मिला है, यह सवाल अब पूछना जरूरी है। अभी तो यही दिख रहा है कि गरीब, पीड़ित जनता के हिस्से केवल अत्याचारों का विष ही आ रहा है। असम में अवैध कब्जा खाली करवाने के नाम पर मुसलमानों को प्रताड़ित किया गया, जम्मू-कश्मीर में तो जनता बरसों से सेना और आतंकियों के बीच घुन सी पिसती आ रही है, धरती के इस स्वर्ग में अब नागरिकों के लिए चैन के दो पल ही स्वर्ग समान बन गए हैं, देश के संपन्न लोग पर्यटन के लिए जम्मू-कश्मीर जरूर जाते हैं, लेकिन वहां के वास्तविक हालात क्या हैं, इससे आम जनता अनभिज्ञ ही है। यही हाल नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम जैसे पूर्वोत्तर प्रदेशों का है। अभी असम-मिजोरम के बीच सीमा विवाद ने हिंसक रूप ले लिया था। छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा, आंध्रप्रदेश, झारखंड, बिहार, तमिलनाडु, गुजरात इन तमाम राज्यों में कभी नक्सल समस्या के नाम पर, कभी विकास के नाम पर आदिवासियों, किसानों, मजदूरों का उत्पीड़न होता है। हाशिए के इन समुदायों के लिए जो आवाज उठाता है, उसे पहले सरकार विरोधी कहा जाता था।

संपादकीय

आज भी साकार रामलीला परंपरा

शरद ऋतु को लीला काल माना गया है। 'रघुबर की सुधि' को जीवंत करती रामलीला हो या श्रीकृष्ण के प्रेम-भक्ति भाव की प्रतीक कृष्णलीला इनका काल शरद ऋतु का काल है। श्रीमद्भागवत में वर्णित है, भगवानपिता रात्रि शरदोत्फुल्ल मल्लिका, वीक्ष्यरन्तुं मनश्चक्रे परमानंद माधवम्। शरद ऋतु के इसी काल को तुलसी ने वर्षा विगत शरद ऋतु आई कहकर जीवन के उल्लास से जोड़ा है। वर्तमान डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक संचार एवं मनोरंजन युग में भी लोकधर्मी उत्सव के रूप म् रामलीला का आकर्षण यद्यपि बरकरार है, पर रामलीलाओं के अस्तित्व पर नए प्रश्नचिन्ह उद्वेलित करने वाले हैं। कोविड-19 के दो दौर या लहरें रामलीलाओं के सामाजिक-धार्मिक जन आयोजन के लिए घातक सिद्ध हुईं। रामलीलाएं नहीं आयोजित की जा सकीं। पाबंदियों के कारण केवल प्रतीक अनुष्ठान संपन्न किए गए। जन-भागीदारी के बिना लीला प्रांगण सूने ही रहे। इसी के साथ लीला पात्रों की भयावह समस्या लीला आयोजनों के लिए चुनौती बनकर उभरी है। पात्र आसानी से नहीं मिल रहे। पात्रों की सज्जा के सामान, आभूषण, मुकुट-मुखौटे तथा धन का अभाव बड़ी समस्याएं हैं। भावनाओं से पूरित आयोजन है रामलीला। निर्बल के बल राम के जिस भरोसे व भाव के साथ रामचरितमानस का छोटा-मोटा गुटखा लेकर गिरमिटिया मजदूर विदेश गए, उसी राम के चरित्र का निरूपण करती रामलीला के आयोजन की किंवदंती बताती है कि जब त्रेता युग में राम वन गए थे, तब अयोध्यावासियों ने राम की स्मृति को याद रखने के लिए रामलीलाओं की संकल्पना कर उसे मूर्त रूप दिया था। किंतु उपलब्ध प्रमाणों से स्पष्ट है कि रामलीला के प्रेरक गोस्वामी तुलसीदास स्वयं थे। उन्होंने अपने मित्र भक्त मेघा भगत के माध्यम से रामलीलाओं की प्रस्तुति-मंचन की शुरुआत कराई। स्वप्न-दर्शन में प्राप्त 'प्रभु' की प्रेरणा से मेघा भगत ने काशी में 478 साल पहले चित्रकूट रामलीला के नाम से तथा सन 1783 में काशी के तत्कालीन राजा उदित नारायण सिंह ने विश्व प्रसिद्ध हो चुकी रामनगर की रामलीला का श्रीगणेश किया। लीला से जुड़ी चमत्कार की कथा आज भी लोगों की जुबान पर है। काशी नरेश के पुत्र गंभीर रूप से बीमार थे। रामनगर कस्बे के पास अदलहाट में होने वाली ग्रामीण रामलीला के राम की पुष्प माला प्रसाद में पाकर लौटे राजा ने किले में बीमार पुत्र के मस्तक पर स्पर्श कराया और सिरहाने रख दिया। अगले दिन राजकुमार स्वस्थ हो गए। तभी महाराज ने रामनगर की लीला प्रारंभ कराई।

काशी के दोनों ही ऐतिहासिक लीला आयोजन आज लाखा मेला (लाखों दर्शकों वाले आयोजन) का रूप ले चुके हैं। काशी की इन रामलीलाओं से प्रेरणा ग्रहण करते हुए देश-विदेश में सैकड़ों लीला आयोजन शुरू हुए और चल भी रहे हैं। मान्यता है, चित्रकूट रामलीला के प्रसिद्ध नाटीइमली भरत मिलाप के दिन स्वप्न में भगवान से प्राप्त वरदान या आश्वासन के अनुरूप ही अस्ताचलगामी सूर्य की किरणों से दीप्त चारों भाइयों की छवि के बीच मेघा भगत को प्रभु के दर्शन हुए थे। भरत मिलाप व रामनगर की लीला के नेमी-प्रेमी प्रभु की आरती के दर्शन का संकल्प लेकर पूरी लीला का दर्शन ही नहीं करते, बल्कि लीला काल (रामनगर - 31 दिन, चित्रकूट रामलीला- 22 दिन) में अपनी पूरी सात्विक दिनचर्या पूर्ण भक्ति भाव से आराध्य राम को समर्पित कर देते हैं। ऐसी रामलीलाएं जीवन में सात्विकता के प्रतिरोपण का सशक्त स्रोत हैं।

सात्विक जीवन शैली, भरत-राम-लक्ष्मण-शत्रुघ्न के भाईचारे का आज भी प्रासंगिक संदेश देती रामलीलाएं प्रतिवर्ष जीवन में अनुकरणीय बन जाती हैं। सिर्फ भारतीय जनजीवन में ही नहीं, बल्कि अनेक देशों में रामलीलाएं आज पारंपरिक सांस्कृतिक-धार्मिक आयोजनों का रूप ले चुकी हैं। गिरमिटिया मजदूर संस्कृति वाले देशों, मॉरीशस, सूरीनाम, गुयाना, त्रिनिडाड, फिजी, कंबोडिया (कंपूचिया), थाईलैंड आदि की रामलीलाएं एक स्थापित मंच-संचार कला का रूप ले चुकी हैं। केवल भारत के रामनगर की रामलीला या अयोध्या की लीला में ही लीला के पात्रों के मुखौटे व राक्षस आदि के विशालकाय पुतले बनाते पुश्तैनी मुस्लिम कारीगर ही नहीं, बल्कि इंडोनेशिया जैसे 90 प्रतिशत मुस्लिम आबादी वाले देश में मुस्लिम अभिनेताओं द्वारा मंचित रामलीलाओं से भी लीला का सर्वसमावेशी स्वरूप मुखर होता है। इस्लामी गणतंत्र इंडोनेशिया में तो लोग राम को अपना पूर्वज मानते हैं। राष्ट्रपति सुकर्णो का यह कथन आज भी प्रासंगिक माना जाता है, 'इस्लाम हमारा धर्म है, रामायण हमारी संस्कृति।' यहां रामायण ककविन के आधार पर होने वाली रामलीला का सामाजिक जीवन में विशेष सम्मान है। इसी प्रकार कंबोडिया (कंपूचिया) में राजा नोरोदम सिंहानूक की राजकुमारी फुफ्फा (पुष्पा) द्वारा सीता का अभिनय इतिहास में दर्ज है। उनके चित्रों की आज भी उस देश में जबर्दस्त मांग है। थाईलैंड में तो पूरे साल रामलीलाओं के आयोजन की परंपरा व विशेष परिपाटी है। यहां रामलीला को 'रामकेयन' थाई भाषा- का नाम दिया गया है। यहां की प्रसिद्ध लीला मंडलियों को निजी घरेलू आयोजनों सहित सामाजिक-धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों के अवसर पर पूरे वर्ष कभी भी आमंत्रित करके रामलीला के आयोजन की विशेष परंपरा सामाजिक जीवन की विशिष्टता है। विख्यात इतिहासकार जेम्स प्रिंसेप ने वाराणसी की रामलीलाओं की लोकप्रियता का वर्णन करते हुए लीला का प्रारंभ सन 1830 से माना और इसे एक 'अद्भुत लोक आयोजन' की संज्ञा दी।

विकास और लोकतंत्र के लिए बाधा खड़ा करती बेलगाम नौकरशाही

आज नौकरशाही एवं अफसरशाही पर बात एवं विमर्श करना इसलिए अधिक जरूरी है, क्योंकि नौकरशाही एवं अफसरशाही ने देश में केवल विकास एवं सुधार का मार्ग ही बाधित नहीं किया है बल्कि लोकतंत्र को भी अपने कब्जे में लेकर सिस्टम को ही अपने गिरफ्त में ले रखा है। सरकार की नाकामियों की वजह से रोज हजारों लोग मर रहे हैं, मगर व्यवस्था ऐसी कि किसी अधिकारी, कर्मचारी का कोई बाल बांका नहीं कर पा रहा है। 1991 की आर्थिक सुधारों के बाद यह वह समय है जब देश में अर्थव्यवस्था को लेकर इस कदर घमासान चल रहा है। जहां बाजार में पर्याप्त मांग होने के बावजूद अर्थव्यवस्था में सुस्ती है।

- डॉ. लखन चौधरी

विकास किसी भी सरकार के लिए एक उद्देश्य होता है, जबकि आर्थिक वृद्धि एक माध्यम होती है। विकास का मतलब यह है कि जीवन की गुणवत्ता बढ़ रही है और आम लोगों के जीवन में सुधार आ रहा है। विकास का एक दूसरा नाम आजादी भी है। भूख, गरीबी, बीमारी, शोषण, असमानता, अंधविश्वास, हिंसा, पाखण्ड, भ्रमित अवधारणाओं से आजादी। लेकिन आज इन सारी बातों एवं विमर्श पर विराम लगता जा रहा है। देश की सर्वोच्च अदालत ने एक बार फिर नौकरशाही पर सवाल खड़ा किया है। नौकरशाही एवं अफसरशाही के कामकाज एवं तौर-तरीकों पर कटाक्ष किया है, और इसमें व्यापक सुधार एवं बदलाव के लिए सख्त एवं तल्ख हिदायत दिया है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस का बयान कि %देश में नौकरशाह और पुलिस अफसर जिस तरह का बर्ताव कर रहे हैं, वह आपत्तिजनक है% बहुत ही चिंतनीय है। चीफ जस्टिस ने खासतौर पर पुलिस अफसरों के व्यवहार को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जिनके ऊपर सबसे अधिक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी एवं जवाबदेही दी गई है, यदि वही इस तरह का व्यवहार करने लगें तो कठोर शब्दों में टिप्पणी जरूरी और वाजिब है। आज नौकरशाही एवं अफसरशाही पर बात एवं विमर्श करना इसलिए अधिक जरूरी है, क्योंकि नौकरशाही एवं अफसरशाही ने देश में केवल विकास एवं सुधार का मार्ग ही बाधित नहीं किया है बल्कि लोकतंत्र को भी अपने कब्जे में लेकर सिस्टम को ही अपने गिरफ्त में ले रखा है। सरकार की नाकामियों की वजह से रोज हजारों लोग मर रहे हैं, मगर व्यवस्था ऐसी कि किसी अधिकारी, कर्मचारी का कोई बाल बांका नहीं कर पा रहा है। 1991 की आर्थिक सुधारों के बाद यह वह समय है जब देश में अर्थव्यवस्था को लेकर इस कदर घमासान चल रहा है। जहां बाजार में पर्याप्त मांग होने के बावजूद अर्थव्यवस्था में सुस्ती है। इसके पहले बाजार में मंदी जैसी स्थितियां आई हैं, लेकिन उसकी अवधि इतनी लंबी नहीं रही है। सरकार इसकी वजह कोरोना को भले ही माने, लेकिन इसकी असली वजह कोरोना नहीं अपितु सरकार की नीतियां, योजनाएं एवं कार्यक्रम हैं। आजादी के बाद से केन्द्र एवं राज्य सरकारों द्वारा हजारों-हजार अच्छी-अच्छी योजनाएं एवं नीतियां बनाई गईं हैं, लेकिन उनके संचालन एवं क्रियान्वयन के स्तर पर भारी गड़बड़ियों के कारण सुधार की प्रक्रिया आज भी नेपथ्य में है। सरकारें रोज नई-नई योजनाएं बना रही है, मगर इसका लाभ जनता तक पहुंच नहीं रहा है। सुदूर दूरस्थ अंचलों तक इसकी पहुंच ही नहीं है। पंचायती राज व्यवस्था जैसी स्थानीय स्वशासन की धारणा इसलिए लाई गई थी, लेकिन नौकरशाही की वजह से यह भी असफल ही साबित रही है।

यह विमर्श एवं चिंतन इसलिए भी महत्वपूर्ण एवं जरूरी है क्योंकि भारतीय नौकरशाही पर अनेक बार न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना पड़ता है। सुप्रीम कोर्ट सरकारों को बार-बार हिदायत देता है लेकिन सरकारी तंत्र पर इसका कोई खास असर नहीं होता है। जनप्रतिनिधियों को चूंकि सत्ता की मलाई खाने, और सत्ता के गलियारों की चमक-दमक में बने रहने की आदत हो जाती है इसलिए जानकर या चाहकर या मजबूरी में भी इन पर कार्रवाई नहीं कर पाते हैं। देश के तीन-चौथाई से अधिक जनप्रतिनिधि तो सरकारी तंत्र के कामकाज की प्रक्रिया ही समझ नहीं पाते हैं, लिहाजा शासन-प्रशासन पर नौकरशाही का ही राज चलता है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था की असफलता या सिस्टम के घालमेल की चर्चा में मीडिया की भूमिका भी कम उल्लेखनीय नहीं है। अनेकों मामलों में मीडिया की भूमिका की वजह से गड़बड़ियां, लीपापोती या लापरवाही उजागर नहीं हो पाती है। कुछ मीडिया घरानों ने ताकत एवं रसूख की आड़ में नौकरशाही से सांठगांठ करके अकूत संपत्ति बनाकर अपने जन सरोकारिता की घोर उपेक्षा एवं अवहेलना की है। दरअसल विकास किसी भी सरकार के लिए एक उद्देश्य होता है, जबकि आर्थिक वृद्धि एक माध्यम होती है। विकास का मतलब यह है कि जीवन की गुणवत्ता बढ़ रही है और आम लोगों के जीवन में सुधार आ रहा है। विकास का एक दूसरा नाम आजादी भी है। भूख, गरीबी, बीमारी, शोषण, असमानता, अंधविश्वास, हिंसा, पाखण्ड, भ्रमित अवधारणाओं से आजादी। लेकिन आज इन सारी बातों एवं विमर्श पर विराम लगता जा रहा है। नौकरशाही के बल पर लोकतंत्र या तथाकथित लोकतांत्रिक सरकार बनाना और चलाना एक शगल बनता जा रहा है। नौकरशाही के माध्यम से सरकारों ने विकास एवं लोकतंत्र की इन अवधारणाओं को ही बदल कर रख दिया है। यदि समय रहते इस पर गंभीर विमर्श नहीं हुआ तो यकीन मानिए लोकतंत्र पूरी तरह खोखला हो जायेगा। जहां सिर्फ एलीट क्लास का बोलबाला चलेगा। इस देश को जितना अधिक निराश चुने गये जनप्रतिनिधियों ने किया है, उससे कहीं अधिक निराश नौकरशाही ने किया है।

आपदा में अब अवसर नहीं

उत्तरप्रदेश में भाजपा सरकार अब विपक्ष के आगे झुकती दिखाई दे रही है। लखीमपुर खीरी कांड में तीन दिनों तक विपक्ष के नेताओं को पीड़ितों तक पहुंचने नहीं दिया गया। प्रियंका गांधी को तो बिना किसी वैध सूचना के हिरासत में रखा गया था। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश मदन लोकुर ने प्रियंका गांधी की गिरफ्तारी को %गैरकानूनी और %असंवैधानिक% करार बताया। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी को गिरफ़्तार करने के बाद गेस्ट हाउस में रखा गया। आप किसी को गिरफ़्तार करते हैं तो उसे थाने में या जेल में रखते हैं। गेस्ट हाउस को उप जेल घोषित किया जाना चाहिए था, जो नहीं किया गया। इस तरह प्रियंका को उस जगह गैरकानूनी तरीके से रखा गया। जस्टिस लोकुर ने प्रशासन द्वारा धारा 144 लगा कर पीड़ित परिवारों से लोगों को मिलने से रोकने को भी ग़लत बताया। उन्होंने कहा कि किसी की मृत्यु हो गई है और यदि कोई उसके परिवार के लोगों से मिल कर सहानुभूति प्रकट करना चाहता है तो ग़लत क्या है? इसी तरह अभियुक्त की गिरफ़्तारी न होने पर भी उन्होंने चिंता जतलाई कि किसी हत्या के मामले में सबसे पहला काम अभियुक्त की गिरफ्तारी होता है। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि ये लोग अभी भी छुट्टा घूम रहे हैं।

जस्टिस लोकुर ने जो चिंता जाहिर की, कमोबेश वही बातें विपक्ष भी उठा रहा है। राहुल गांधी ने बुधवार को प्रेस कांफ्रेंस कर लखीमपुर मुद्दे पर पीछे न हटने के संकेत दे दिए थे। उन्हें लखनऊ विमानतल पर रोका गया, फिर पुलिस गाड़ी से पीछे के गेट से बाहर निकलने का विकल्प दिया गया। सीधे लखीमपुर तक जाने की बात पुलिस ने कही। लेकिन राहुल गांधी ने साफ कर दिया कि वे अपनी गाड़ी से सीतापुर होते हुए लखीमपुर जाएंगे, ताकि प्रियंका गांधी को साथ ले सकें। उन्होंने विमानतल के मुख्य द्वार से निकलने की बात कही। उत्तरप्रदेश पुलिस की राहुल गांधी के सामने शर्तें और राहुल गांधी का अपनी शर्तों पर लखीमपुर जाना, इन बातों का राजनैतिक महत्व भविष्य में दिखलाई देगा।

कांग्रेस समेत कई और विपक्षी दलों के नेताओं को सीमित संख्या में लखीमपुर जाने की इजाज़त उप्र प्रशासन ने दे दी है। लेकिन सवाल ये है कि इस हत्याकांड के आरोपियों पर कानूनी कार्रवाई कब होगी। क्या रसूखदार आरोपी अगर यूं ही आजाद घूमते रहे तो इस बात की आशंका नहीं है कि वे सबूतों को मिटाने की कोशिश कर सकते हैं या भूमिगत हो सकते हैं। एक बार ऐसा हो गया तो फिर पुलिस को भी उन्हें पकड़ न पाने का बहाना रहेगा। कुछ दिनों तक इस मामले की चर्चा रहेगी, फिर जनता को किसी और मुद्दे पर उलझा दिया जाएगा। और इस तरह पीड़ितों को इंसाफ मिलने की उम्मीदें क्षीण होती जाएंगी। अगर ऐसा हुआ तो इसमें न केवल पीड़ितों का नुकसान होगा, बल्कि लोकतंत्र भी घाटे में रहेगा। इस देश में पहले ही ऐसा माहौल बन चुका है कि कानून व्यवस्था सत्ता और शक्तिसंपन्न लोगों के लिए ही है। शेष जनता डरते हुए ही जीती है, कभी शासन के आतंक से, कभी कानून के आतंक से, कभी अराजक तत्वों के आतंक से।

लखीमपुर खीरी की घटना में गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा और उनके बेटे पर लगातार उंगलियां उठ रही हैं। इसके बाद कम के कम नैतिकता की खातिर ही मोदी सरकार को उनसे इस्तीफा ले लेना चाहिए था। लेकिन इन पंक्तियों के लिखे जाने तक मंत्री महोदय अपने पद पर ही हैं, बल्कि उनकी गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात भी हुई है। भाजपा उन्हें बर्खास्त न करके शायद ब्राह्मण वोटबैंक को बचा रही है। लेकिन जरा से चुनावी लाभ में कहीं बड़ा राजनैतिक नुकसान भाजपा को न हो जाए, ये देख लेना चाहिए। इस घटना के जो वीडियो सामने आए हैं, उसमें नजर आ रहा है कि जानबूझकर किसानों पर गाड़ी चढ़ाई गई, फिर भी आरोपी अब तक पहचाने नहीं गए हैं। अब लखीमपुर में किसानों को रौंदने वाले उन तीन कारों के काफिले में शामिल मंत्री के बेटे के समर्थक और प्रत्यक्षदर्शी का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में एक पुलिसकर्मी उससे पूछताछ कर रहा है। जिसमें समर्थक स्वीकार करता है कि जिस गाड़ी ने किसानों को रौंदा था उसमें केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे आशीष मिश्रा सवार था। हालांकि मंत्री पिता और उनके बेटे ने इस बात से इंकार किया है कि आशीष मिश्रा मौके पर मौजूद था। सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे ये वीडियो सही हैं या इनमें छेड़छाड़ की गई है, इसके बारे में पुलिस को जल्द ही सूचित करना चाहिए। क्योंकि इसमें जितनी देर होगी, भाजपा उतना ज्यादा घाटे में रहेगी।

घटना में पीड़ित किसानों के साथ मुआवजे का जो खेल योगी सरकार ने खेला है, उसका भी कोई अच्छा संदेश नहीं गया है। उप्र सरकार ने पीड़ितों के लिए 45-45 लाख के मुआवजे का ऐलान किया, जबकि कांग्रेस की छत्तीसगढ़ और पंजाब सरकारों ने 50-50 लाख के मुआवजे का ऐलान किया है। वैसे तो जान की कीमत कुछ लाख रूपयों में नहीं लगाई जा सकती, लेकिन जनता यह देख रही है कि मंदिर बनाने के लिए करोड़ों की राशि इकठ्ठा करने वाली भाजपा मुआवजा देने में कैसे पीछे रह रही है। आपदा में अवसर तलाशने वाली भाजपा ने अपने लिए हर परिस्थिति में वोट बटोरने की गुंजाइश देखी है। पुलवामा से लेकर सीएए तक, नोटबंदी से लेकर लॉकडाउन तक हर आपदा में चुनाव जीतने की जुगत लगाई है, लेकिन इस बार किसानों पर आई आपदा भाजपा के लिए नए अवसरों का द्वार बंद कर सकती है।

सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए

सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
जो भी फ़र्ज़ हमसे जुड़े थे, हर फ़र्ज़ निभा कर चले गए।
कहते हैं के हर अधिकार से जुड़ा एक फ़र्ज़ होता है।
आप हर अधिकार हमें देकर हर फ़र्ज़ का ऋणी बना कर चले गए।
कभी सोचा भी नहीं था के आप यूं चले जाएंगे।
आज भी लगता है मानो अभी लौट कर आ जाएंगे।
जिंदगी की सारी खुशियां हमें देकर अपने जाने का ग़म दे चले गए।
सच तो ये है के आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
घर की हर छोटी सी चीज़ भी आपकी याद दिलाती है।
कितना कुछ किया आपने हमारे लिए हर चीज गवाह बन जाती है।
घर के हर कोने से आप ज़िंदगी की सबसे मीठी याद देकर चले गए।
सच तो ये है कि आप हम ऋणी बनाकर चले गए।
कहते हैं कि पिता का दिल कठोर होता है वो कभी नहीं रोता है।
पर मेरे दूर जाने के गम में पलकें भिगोते मैंने आपको देखा है।
पिता की परिभाषा बदल कठोरता को प्रेम में बदल कर चले गए।
सच तो ये है की आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
मेरा बच्चा मेरे लिए ये करेगा बचपन में ये हर मां बाप कहते हैं।
कुछ भी नहीं कर पाए आपके लिए आज भी इसलिए तड़पते हैं।
अपने इस निस्वार्थ प्रेम में हम सबको डूबो कर चले गए।
सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
जैसे जो मांगा सब कुछ दिया है, उम्मीद है कि ये भी देंगे।
आपके ऋण कुछ उतारने का, उम्मीद है आप अवसर देंगे।
लौटेंगे आप फिर हमारे बीच अनजाने ही ये उम्मीद दे चले गए।
सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।

दुबई में मौजूद है दुनिया का सबसे बड़ा झूला

दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे ऊंचा ऑब्जर्वेशन व्हील अब 21 अक्टूबर को संयुक्त अरब अमीरात में खोला जाएगा। आधिकारिक घोषणा में कहा गया है कि दुबई के रिकॉर्ड तोड़ने वाले आकर्षणों की लंबी सूची में शामिल होने के लिए यह मील का पत्थर होगा। ऑब्जर्वेशन व्हील लंदन आई की ऊंचाई से दोगुने के करीब है। दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे ऊंचा ऑब्जर्वेशन व्हील ऐन दुबई आगंतुकों को 250 मीटर की ऊंचाई तक ले जाएगा जहां से वे दुबई के सुरम्य क्षितिज के राजसी दृश्य का आनंद ले सकते हैं।

ब्लूवाटर्स द्वीप पर स्थित, ऐन दुबई दुबई के विश्व रिकॉर्ड तोड़ने वाले आकर्षणों की लंबी सूची में शामिल होने के लिए नवीनतम मील का पत्थर है। यह दुबई के क्षितिज की पृष्ठभूमि के खिलाफ 19 से अधिक अनुकूलन अनुभव लाएगा। आप आकाश में भोजन करने और विशेष उत्सव पैकेज से लेकर कॉर्पोरेट और इवेंट प्रसाद तक लगभग 38 मिनट के एक रोटेशन, लगभग 76 मिनट के दो रोटेशन तक सुंदरता का अनुभव करेंगे। आगंतुक इसके निजी केबिन तक भी पहुंच सकते हैं जो पूर्ण विशिष्टता प्रदान करता है। जन्मदिन, सगाई, शादियों और व्यावसायिक कार्यों के लिए उत्सव पैकेज भी उपलब्ध होंगे।

निजी केबिनों को वीआईपी मेहमानों के इलाज के लिए अंतरंग समारोहों से लेकर सांस्कृतिक उत्सवों तक सभी प्रकार के कार्यक्रमों को पूरा करने के लिए अनुकूलित किया जा सकता है। दुबई होल्डिंग एंटरटेनमेंट के मुख्य परिचालन अधिकारी मोहम्मद शराफ ने कहा कि ऐन दुबई दुबई द्वारा विकसित कई नवीन पहलों में से एक है। शराफ ने कहा, हम संयुक्त अरब अमीरात के 50वें वर्ष के दौरान इस अनूठी और उत्सवपूर्ण संपत्ति को खोलने के लिए बेहतर समय के बारे में नहीं सोच सकते हैं।

कैलिफोर्निया के मैक्सिको से कई माह बाद निकला क्रूज

मैक्सिकन रिवेरा की ओर जा रहा एक क्रूज जहाज शनिवार को लॉन्ग बीच के बंदरगाह से रवाना हुआ। यह 17 महीने में कैलिफोर्निया से रवाना होने वाला पहला क्रूज शिप है। यह लांग बीच पर लौटने से पहले **Cabo** सैन लुकास और **Mazatlan** के मैक्सिकन बंदरगाहों में बंद हो जाएगा। बयान में कार्निवल पैनोरमा सात दिन की यात्रा पर है। 1060 फुट कार्निवल पैनोरमा 2019 में शुरू हुआ। यात्री बॉब **Lechtreck** ने कहा कि वह और उनकी पत्नी 11 दिसंबर, 2019 को उद्घाटन नौकायन पर थे। क्रूज उद्योग मुश्किल से मारा गया था महामारी

के बाद यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को कोविड-19 के लिए सकारात्मक परीक्षण किया है जिसके कारण कुछ जहाजों बंदरगाहों से दूर कर दिया गया। उद्योग ने अमेरिकी जल क्षेत्र में नौकायन शुरू करने के लिए स्वास्थ्य आवश्यकताओं पर रोग नियंत्रण और रोकथाम के लिए अमेरिकी केंद्रों से लड़ाई लड़ी है। यात्रियों को टीका लगाया जाना चाहिए, लेकिन कंपनी टीका प्राप्त करने में असमर्थ लोगों के लिए छूट की एक छोटी संख्या की अनुमति देगा, जिसमें 12 वर्ष से कम के बच्चे शामिल हैं, जो अभी तक पात्र नहीं हैं। कार्निवल के कोविड-19 गेस्ट प्रोटोकॉल के मुताबिक, जो लोग बिना टीका लगाए हैं, उन्हें अतिरिक्त सावधानियों का पालन करना होगा। मेक्सिको में रुकने के बाद जहाज शुक्रवार को वापस गैल्वेस्टन, टेक्सास की ओर बढ़ गया। सकारात्मक मामले 26 चालक दल के सदस्यों और कार्निवल विस्टा पर एक यात्री के बीच थे, जो 1,400 से अधिक चालक दल और लगभग 3,000 यात्रियों, बेलीज पर्यटन बोर्ड ले जा रहा था।

मेक्सिको की ट्रिप मोह लेगी आपका मन

मेक्सिको में लगभग आधा पर्यटन राजस्व कैनकन में उत्पन्न होता है, अपने लिए बोलता है। 17 वीं शताब्दी में कैनकन की खोज की गई थी और इसमें केवल 3 निवासी थे। विकास 1970 में शुरू हुआ और आज कैनकन में लगभग दस लाख निवासी और सैकड़ों होटल हैं। सफेद रेत के समुद्र तट बस लुभावने हैं, और इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि कई अमेरिकी इस प्रीमियम मैक्सिकन शहर को अपने ग्रीष्मकालीन अवकाश स्थान के रूप में क्यों चुनते हैं। कैनकन में डेस्टिनेशन वेडिंग को भी काफी लोकप्रिय माना जाता है। सालाना 40,000 से अधिक विवाह समारोह होते हैं। समुद्र तट पर घूमने के अलावा, कैनकन उन पर्यटकों के लिए बहुत सारी गतिविधियाँ प्रदान करता है जो यहाँ छुट्टी मनाने आते हैं। प्रसिद्ध बुलफाइट्स हैं जो हर बुधवार को आयोजित की जाती हैं। कैनकन में नौका विहार भ्रमण भी सबसे लोकप्रिय चीजों में से एक है। कुछ पर्यटन में खरीदारी पर्यटन, पारिस्थितिक पार्क की यात्रा और इस्ला मुजेरेस समुद्र तटों के लिए एक रात की यात्रा शामिल है। आप गोल्फ खेल सकते हैं, इंटरैक्टिव एक्वेरियम देख सकते हैं, और कैनकन में मछली पकड़ने या पनडुब्बी यात्रा बुक कर सकते हैं। कैनकन घूमने का सबसे अच्छा समय नवंबर का है, क्योंकि बारिश का मौसम जून से अक्टूबर तक रहता है।

मोनाको से छोटा एकमात्र देश है वेटिकन

मोनाको से छोटा एकमात्र देश वेटिकन है। मोंटे कार्लो सिर्फ राजधानी शहर नहीं है, यह काफी हद तक पूरा देश है। हालांकि इसकी भूमि का द्रव्यमान छोटा हो सकता है, लेकिन इसकी प्रतिष्ठा बहुत बड़ी है। कोई भी टैक्स नहीं देता है, हर कोई गंदी अमीर है, और यहां पैर रखने के लिए बेहतर होगा कि आप नकदी में लुढ़कें। आप किसी भी भव्य गतिविधियों में भाग नहीं लेंगे जो मोनाको की यात्रा का पर्याय हैं। बेशक, मोंटे कार्लो का सबसे बड़ा ड्रॉ कार्ड कैसीनो है। बेहतर होगा कि आप शार्प दिखें, क्योंकि यहां आकर अपनी जेम्स बॉन्ड की कल्पनाओं को जीने के लिए आप ट्रेनर नहीं पहन सकते। वास्तव में, केवल तीन पीस सूट का चयन करना सबसे अच्छा है। और क्योंकि वे जानते हैं कि आप जैसे रेगुलर जोस भव्य इमारत और ऊँचे रोलर्स को देखने के लिए आ रहे हैं, आपको प्रवेश शुल्क देना होगा। मोंटे कार्लो के अधिकांश आकर्षण खाने-पीने पर केंद्रित हैं, लेकिन पड़ोस और देखने के बिंदु हैं जो आपको एक प्रतिशत भी खर्च नहीं करेंगे और फिर भी प्रसन्न होंगे। रोकब्रून कैप मार्टिन मध्ययुगीन गांव, जो एक केप पर बसा है और उत्कृष्ट समुद्री दृश्य पेश करता है, शुरू करने

मालदीव में बिताएं लक्ज़री बीच वेकेशन

लक्जरी बीच वेकेशन अब मालदीव का पर्याय बन गया है। हिंद महासागर में स्वर्ग का यह छोटा सा छिड़काव महंगा है। यह आमतौर पर एक हनीमून डेस्टिनेशन के रूप में आरक्षित होता है – आपके जीवन में एक ऐसा समय जिसे परिव्यय को सही ठहराने के लिए पर्याप्त विशेष माना जाता है। जबकि अब स्थानीय कस्बों और द्वीपों के बीच सार्वजनिक परिवहन के कुछ रूपों के बीच स्वतंत्र गेस्टहाउस की संख्या बढ़ रही है, मालदीव में खेल का नाम उच्च अंत लक्जरी रिसॉर्ट है। प्रत्येक रिसॉर्ट का अपना खुद का द्वीप होता है – यदि आप चाहें तो किसी भी बाहरी रिफ रैफ या किसी के साथ कोई मेलजोल नहीं है। आप वास्तव में अपनी पूरी छुट्टी/हनीमून किसी और को न देखकर बिता सकते हैं। बस आप, पाउडर-फाइन रेत, क्रिस्टल क्लियर ओशन, और अंडरवाटर यूटोपिया ऑफ कोरल रीफ्स और समुद्री जीवन है। अपने (उम्मीद के मुताबिक असीमित) बजट और अपने उद्देश्य के आधार पर एक रिसॉर्ट चुनें। उन लोगों के लिए अनुकूलित रिसॉर्ट हैं जो बहुत सारे पानी के खेल पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं, विशेष रूप से गोताखोरी, या जो परिवार की छुट्टी के लिए सबसे अच्छे हैं। जब मालदीव में क्या करें की बात आती है, तो यह काफी सरल है। शुद्ध शांति को आत्मसात करें। सबसे भव्य रिसॉर्ट का आनंद लें, जिसमें आप खुद को पाएंगे।

मध्य अमेरिका और कैरिबियन पर बिताएं अपनी छुट्टियां

पतंग सर्फ, स्नोर्कल, स्कूबा (या स्नूबा यदि आप एक पर फैसला नहीं कर सकते हैं। बस अपने पैर की उंगलियों के बीच कुरकुरी सफेद रेत के अनुभव का आनंद लें।

सेंट लूसिया कैरिबियन समुद्र में शुद्ध द्वीप का एक भाग है। यह उन जगहों में से एक है जिसके बारे में आप तब तक ज्यादा नहीं जानते जब तक आप वहां नहीं जाते, और फिर आप इसे कभी नहीं भूलेंगे। ठीक है, यहाँ मूल बातें हैं यह एक कैरिबियाई द्वीप है, बारबाडोस के उत्तर-पश्चिम मे और मार्टीनिक के दक्षिण में यह सदियों तक ब्रिटिश और फ्रांसीसी शासन के बीच झूलता रहा लेकिन अब एक स्वतंत्र राष्ट्र है। स्थानीय और यूरोपीय विरासत का मिश्रण बहुत स्पष्ट है। फ्रेंच और स्थानीय क्रियोल बोली जाने वाली आधिकारिक भाषाएँ हैं। पर्यटन सेंट लूसिया का मुख्य उद्योग है और अधिकांश आगंतुक तट के किनारे स्थित शानदार रिसॉर्ट्स के लिए आते हैं। सेंट लूसिया के लिए अपने रमणीय कैरिबियन अवकाश के दौरान घूमने के लिए सर्वश्रेष्ठ बे और समुद्र तट हैं स्मगलर का कोव, लाब्रेलोटे बे, एंसे चेस्टानेट और सैंडी बीच। पतंग सर्फ, स्नोर्कल, स्कूबा (या स्नूबा यदि आप एक पर फैसला नहीं कर सकते हैं। बस अपने पैर की उंगलियों के बीच कुरकुरी सफेद रेत के अनुभव का आनंद लें। आपको एक दिन के लिए समुद्र तट से बाहर निकलने की आवश्यकता महसूस होती है, तो एक अलग दृष्टिकोण के लिए जंगल के माध्यम से माउंटेन बाइकिंग में अपना हाथ आज़माएं, या चंदवा के माध्यम से ज़िप-लाइन करें! कैस्ट्रीस सेंट्रल मार्केट में घूमें और सभी स्वादिष्ट ताजे भोजन पर अचंभा करें और प्रामाणिक स्मृति चिन्हों का स्टॉक करें।

एक उभरता हुआ तेल महानगर इस देश की राजधानी में हुआ शामिल

एक उभरता हुआ तेल महानगर, बाकू, अज़रबैजान की राजधानी अब वही है जो दुबई लगभग 20 साल पहले था। आयरन कर्टन के पतन तक सोवियत संघ का हिस्सा बाकू अब खोए हुए समय की भरपाई कर रहा है। इसका अनूठा वातावरण अब आधुनिक गगनचुंबी इमारतों और प्राचीन मीनारों, तेल-धन किट्स और मध्ययुगीन सड़कों से बना है। **UNSECO**-सूचीबद्ध बाकू के पुराने शहर को सौभाग्य से संरक्षित किया गया था और शहर के बाकी हिस्सों के साथ इसके चमचमाते कांच के टावरों और फैंसी अपार्टमेंट ब्लॉकों के विपरीत है। यहां आप 12वीं सदी के मेडेन टॉवर पर चढ़ सकते हैं, जो शहर के प्रतीकों में से एक है, या संकरी गलियों वाली गलियों में घूमकर शिरवंश के पवित्र महल तक जा सकते हैं – एक भव्य स्मारक जिसमें दार्शनिक सैयद याह्या बाकुवी का मकबरा शामिल है, जो 17वीं सदी का स्नानागार है। शहर के क्षितिज पर ज्वाला टावरों का प्रभुत्व है, अज़रबैजान के अग्नि पूजा के प्राचीन इतिहास से प्रेरित रात में गगनचुंबी इमारतों की एक नवनिर्मित तिकड़ी लाल और नारंगी रंग में प्रकाशित होती है। यह क्षेत्र प्राकृतिक गैस आउटलेट जलाने जैसी अनूठी प्राकृतिक घटना के लिए जाना जाता है। उन्होंने पारसी धर्म के निर्माण के लिए प्रेरित किया, औपचारिक अग्नि संप्रदायों के साथ एक रहस्यमय विश्वास, जो लगभग 2,000 साल पहले इस क्षेत्र में प्रकट हुआ था। एकमात्र पारसी मंदिर – शाश्वत गैस की आग (जो अब शहर की नगरपालिका गैस पाइपलाइन से आपूर्ति की जाती है) से भरा हुआ प्रभावशाली अष्टेगन मंदिर है, जो 17 वीं शताब्दी का है।

आतंकी हमले में मारे गए शिक्षकों के परिवार का दर्द

कश्मीर हमारे लिए जन्नत नहीं, जहन्नुम है: प्रिंसिपल की मां

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में गुरुवार को आतंकियों ने एक स्कूल में घुसकर दो शिक्षकों को गोली मार दी। मरने वालों में दीपक चांद और प्रिंसिपल सतिंदर कौर शामिल हैं। दोनों के परिवारों की हालात इस वक्त ऐसी है, जिसे देखकर किसी का भी दिल भर जाए। सतिंदर कौर की मां रोते हुए एक ही बात कह रही हैं कि मुझे गोली मारो, उसे क्यों मार दिया? मुझ बूढ़ी को गोली मारो।

वहीं दीपक चांद के परिवार वालों ने कहा कि कश्मीर जन्नत नहीं है, हमारे परिवार के लिए तो यह जहन्नुम है। उन्होंने रोते हुए हाथों से इशारा करके बताया कि इतनी सी बच्ची है उसकी। हमें अब तक धमकी भरे फोन आ रहे हैं। पिछले 30 साल से हमें निशाना बनाया जा रहा है।

गवर्नमेंट बॉयज हायर सेकेंडरी स्कूल के एक शिक्षक ने बताया कि हम यहां कमरे में बैठकर चाय पी रहे थे, तभी दूसरी तरफ शोर सुना। उस वक्त करीब 11 बजे बजे होंगे। थोड़ी देर बाद गोलियों की आवाज सुनाई दी। इसे सुनकर हम डर गए। प्रिंसिपल मैडम और एक टीचर बाहर कुर्सियों पर बैठे थे। यहां और लोग इकट्?ठा होने लगे, तो हम बाहर निकले। हमने देखा कि प्रिंसिपल और एक टीचर वहां गिरे पड़े हैं। प्रिंसिपल मैडम मूवमेंट कर रही थीं, पर दूसरे टीचर के शरीर में कोई हलचल नहीं थी। मैं बयान नहीं कर सकता कि ये कितना बड़ा नुकसान है।

जम्मू-कश्मीर के ष्ठत्रक्क दिलबाग सिंह ने बताया कि यह स्थानीय मुस्लिमों को बदनाम करने की साजिश है। कश्मीर के सांप्रदायिक सौहार्द्र को खत्म करने की साजिश के तहत निहत्थे नागरिकों को मारा जा रहा है। इससे आतंकियों की निराशा और क्रूरता साफ झलक रही है। आतंकी कश्मीर में अमन-चैन और भाईचारे को खत्म करना चाहते हैं, लेकिन हम उनके मंसूबे कामयाब नहीं होने देंगे।

श्रीनगर के मेयर जुनैद मट्?टू ने कहा कि हम सब जानते हैं इस वारदात को किसने अंजाम दिया है। इन आतंकियों को पाकिस्तान की मदद हासिल है। मैं तो कहता हूं सांप को सांप बोलिए। ये हमारे समाज को बर्बाद करने निकले हैं। ये वही सिख कम्युनिटी है, जिसने उन हालात में भी यहां रहना मंजूर किया, जब कोई यहां नहीं रहना चाहता था। अगर हम अपने लोगों के लिए खड़े नहीं होंगे तो कौन होगा। हमें सड़कों पर आना होगा और एक समाज के तौर पर यह संदेश देना होगा कि हम यह नहीं होने देंगे।

जम्मू-कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा ने कहा कि इस मासूम लोगों पर आतंकी हमले को अंजाम देने वाले आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। आतंकी और उनके रहबर जम्मू-कश्मीर की शांति, तरक्की और समृद्धि में खलल नहीं डाल पाएंगे।

मंगलवार को 3 नागरिकों की जान ली

पहली वारदात: आतंकियों ने करीब 7:30 बजे इकबाल पार्क क्षेत्र में श्रीनगर के प्रसिद्ध फार्मासिस्ट माखनलाल बिंद्रू (68) को मार दिया। आतंकियों ने उन्हें मेडिकल स्टोर में घुसकर गोली मारी। बुधवार को उनकी बेटी डॉक्टर श्रद्धा बिंद्रू ने आतंकियों को बहस करने की चुनौती दी थी।

दूसरी वारदात: मंगलवार को ही 8:30 बजे आतंकियों ने लाल बाजार इलाके में वीरेंद्र पासवान की हत्या कर दी। वे पानी पुरी का कारोबार करते थे। वे बिहार के भागलपुर के रहने वाले थे।

तीसरी वारदात: मंगलवार को ही 8:45 बजे आतंकियों ने बांदीपोरा के शाहगुंड इलाके में एक आम नागरिक की हत्या कर दी। मृतक की पहचान नायदखाई निवासी मोहम्मद शफी लोन के रूप में हुई।

शनिवार को 2 लोगों की हत्या की गई

पहली वारदात: यह घटना कारां नगर इलाके में हुई। यहां आतंकियों ने स्थानीय नागरिक अब्दुर रहमान गुरु को गोली मार दी। वह श्रीनगर के चट्टाबल के गालवांटेंग इलाके का रहने वाला था।

दूसरी वारदात: श्रीनगर की एसडी कॉलोनी बटमालू में आतंकियों ने एक आम नागरिक को गोली मार दी, जिसने स्र्ूास्र अस्पताल में दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान मोहम्मद शफी डार के रूप में हुई।

बहू ने प्रेमी संग मिलकर सास को मारा था: प्रेमी ने तकिए से मुंह दबाकर सांप से डसवाया, सुप्रीम कोर्ट ने नहीं दी बेल

अल्पना जांगिड़, बहू — मनीष मीणा, प्रेमी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज झुंझुनूं

प्रेमिका की सास का पहले तकिए से मुंह दबाकर, फिर सांप से डसवाकर मारने वाले प्रेमी की जमानत याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा- हत्या की वारदात में जहरीले सांप का इस्तेमाल हथियार के तौर पर करना जघन्य अपराध है। राजस्थान में हत्या के लिए किसी जहरीले सांप का इस्तेमाल करना असामान्य है। कोर्ट ने कहा- अपराध को अंजाम देने के लिए आरोपी द्वारा बहुत ही नया तरीका अपनाया गया है। आरोपी रिहा करने लायक नहीं है। चीफ जस्टिस एनवी रमना, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस हिमा कोली की बेंच के सामने यह अनोखा केस आया था।

फौजी की पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर दिया घटना को अंजाम: पूरा मामला राजस्थान के झुंझुनूं के बुहाना क्षेत्र के सागवा गांव का है। एक फौजी की पत्नी ने आशिक के साथ मिलकर सास को रास्ते से हटाने के लिए ऐसा कुचक्र रचा कि पुलिस भी भौंचक रह गई थी। पहले दोनों ने तकिए से मुंह दबाकर सास को मार डाला, फिर उसके पास जहरीला सांप छोड़ दिया। ताकि मौत का कारण सांप का डसना साबित किया जा सके। इसमें दोनों काफी हद तक सफल भी हो गए थे, पर पुलिस की सतर्कता और कॉल रिकॉर्ड ने सारा भेद खोल दिया। पुलिस ने बहू अल्पना जांगिड़, उसके प्रेमी मनीष मीणा और सहयोगी कृष्ण कुमार मीणा को गिरफ्तार कर लिया।

3 साल पहले हुई शादी, सास के मना करने पर भी प्रेमी से करती रही बातचीत: इस पूरी कहानी को समझने के लिए हम आपको 3 साल पीछे लेकर चलते हैं। बात जून, 2018 की है। बुहाना (झुंझुनू) के सागवा निवासी अल्पना जांगिड़ की शादी आर्मी के जवान सचिन से हुई थी। उसकी पोस्टिंग असम में थी। घर पर अल्पना, सचिन की मां सुबोध और उसके पिता रहते थे। पिता भी काम से अक्सर शहर से बाहर रहते थे। ऐसे में घर में अल्पना और उसकी सास सुबोध ही ज्यादा साथ रहती थीं। अल्पना का चक्कर जयपुर निवासी मनीष मीणा से चल रहा था। अल्पना अधिकतर समय मनीष से फोन पर बात करती रहती थी। वीडियो कॉल पर भी दोनों के बीच खूब बात होती थी। इसकी जानकारी आस-पड़ोस के भी लोगों को थी। सास इसका विरोध करती थी।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने कोलकाता में राज्य विधानसभा में हाल के उपचुनावों में विधायक के रूप में दोबारा चुने जाने के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को शपथ दिलाई।

न्यूज ब्रीफ

कोरोना अभी खत्म नहीं हुआ, त्योहारों-शादियों में संक्रमण बढ़ने का खतरा: स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली। ञ्कोरोना महामारी की वीकली पॉजिटिविटी दर पिछले हफ्ते घटकर 1.68त्न पर आ गई। इससे पहले यह 5.86त्न थी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को आगाह किया कि महामारी की चुनौती अभी खत्म नहीं हुई है। अक्टूबर से दिसंबर तक यानी तीन महीने लोगों को अधिक सतर्क रहना होगा। त्योहारों और शादियों के दौरान कोरोना का संक्रमण बढ़ सकता है। स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि हम अभी यह ना समझें कि कोविड खत्म हो चुका है। हमारे सामने कोरोना की कई सारी चुनौतियां हैं और हमें उसपर काम करने की जरूरत है। हमें अभी भी कोविड से जुड़ी गाइडलाइन का पालन करते रहना होगा।

पिछले हफ्ते 56प्रतिशत कोविड मामले केरल से दर्ज हुए: लव अग्रवाल ने बताया कि देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 22,000 के करीब मामले दर्ज किए गए। उन्होंने कहा कि आज भी देश में हर रोज औसतन 20,000 के करीब मामले आ रहे हैं। पिछले हफ्ते 56त्न कोविड मामले केरल से दर्ज हुए हैं।

तमिलनाडु, मिजोरम और कर्नाटक में भी एक्टिव केस अधिक: स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव ने कहा कि 5 राज्य ऐसे हैं जहां अभी भी 10,000 से ज्यादा सक्रिय मामले बने हुए हैं। केरल में 1,22,000 के करीब एक्टिव केस हैं। महाराष्ट्र में 36,000 के करीब सक्रिय मामले हैं। तमिलनाडु, मिजोरम और कर्नाटक में भी इलाज करा रहे मरीजों की संख्या अधिक है।

कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने समर्थकों के साथ मोहाली से उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले की ओर मार्च निकाला।

हरियाणा में भी लखीमपुर जैसी घटना

BJP सांसद के काफिले की गाड़ी ने किसान को टक्कर मारी, अस्पताल में भर्ती, MP सैनी बोले- मुझ पर हमला हुआ

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज अंबाला

उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में किसानों के खिलाफ हिंसा पर बवाल जारी है, इस बीच हरियाणा के अंबाला जिले के नारायणगढ़ में भी ऐसी ही घटना सामने आई है। कुरुक्षेत्र से क्चछ्वक्क सांसद नायब सिंह सैनी के काफिले की गाड़ी ने काले झंडे दिखा रहे एक किसान भवनप्रीत को टक्कर मार दी और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर किसान इकट्?ठा होना शुरू हो गए हैं। सुरक्षा के लिहाज से घटनास्थल पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनात की गई है। किसानों का आरोप है कि भवनप्रीत की हत्या के इरादे से टक्कर मारी गई है। इधर, सांसद नायब सैनी ने बताया कि हम एक कार्यक्रम से बाहर निकल रहे थे। इस दौरान उनकी गाड़ी पीछे रह गई और किसानों ने उन पर हमला कर दिया। भीड़ में उपद्रवियों ने मेरे ड्राइवर का गला पकड़ लिया। मुझ पर हमला किया गया। किसानों ने कहा सांसद की गाड़ी है। भाग कर पीछे से हमला करो।

जब किसान गाड़ी के नीचे आने की जबरदस्ती करने लगे तो स्टाफ ने पीछे वाली खिड़की से उतरकर उन्हें दूर धकेला। किसी भी किसान को उसकी गाड़ी से चोट नहीं लगी। हर मूवमेंट की किसान वीडियो बनाते हैं। इसकी भी वीडियो तो उन्होंने तैयार किया होगा। वे वीडियो जारी करें। वीडियो से सबके सामने दूध का दूध और पानी का पानी आ जाएगा।

सांसद के नाम पर रजिस्टर्ड है गाड़ी

नारायणगढ़ में हुए एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सांसद नायब सिंह सैनी पहुंचे थे। उनके आने की सूचना मिलने पर किसान विरोध करने के लिए पहुंच गए। कहा जा रहा है कि कार्यक्रम के बाद सैनी अपने काफिले के साथ निकले तो भवनप्रीत अचानक सड़क पर आ गए। तभी सांसद के काफिले की गाड़ी ने उन्हें टक ?कर मार दी। किसान नेताओं का दावा है कि जिस इनोवा गाड़ी (।।क्र04स्न0976) ने भवनप्रीत को टक्कर मारी, वह सांसद नायब सिंह सैनी के नाम पर रजिस्टर्ड है।

किसानों ने सांसद और ड्राइवर के खिलाफ दी शिकायत: घटना के बाद किसानों ने नारायणगढ़ थाने में सांसद उनके ड्राइवर राजीव के खिलाफ शिकायत दी है। भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी गुट ने शिकायत में बताया कि किसान कृषि कानूनों के विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे। उसी समय सांसद के ड्राइवर राजीव ने इनोवा गाड़ी ।।क्र04स्न0976 तेज रफ्तार से किसानों की तरफ दौड़ा दी।

ऋतिक रोशन आर्यन खान के सपोर्ट में: ऋतिक ने सोशल मीडिया पर लिखा- डियर आर्यन, ये मुश्किल समय आपके आने वाले कल को मजबूत करने वाला है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

क्रूज ड्रग्स केस में फंसे शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की गिरफ्तारी के बाद कई सेलिब्रिटीज उनकी फैमिली के सपोर्ट में उतर चुके हैं। अब ऋतिक रोशन का नाम भी इस लिस्ट में शामिल हो गया है। ऋतिक ने आर्यन के सपोर्ट में सोशल मीडिया पर उनकी फोटो के साथ एक पोस्ट शेयर की है। ऋतिक ने इस पोस्ट में आर्यन को बताया है कि लाइफ में मुश्किल समय को कैसे हैंडल करना चाहिए।

लाइफ एक अजीब सफर है- ऋतिक रोशन: ऋतिक रोशन ने फोटो शेयर करते हुए लिखा, मेरे प्रिय आर्यन। जिंदगी, एक अनोखे सफर की तरह है। लाइफ में कुछ भी निश्चित नहीं है और यही इसकी अच्छाई है। लाइफ कभी-कभी आपके सामने सबसे मुश्किल बॉल फेंकती है, लेकिन भगवान दयालु हैं। वे सबसे मजबूत लोगों को ही सबसे टफ बॉल खेलने के लिए देते हैं। पता है, आपको तब ही चुना जाता है, जब आप अराजकता के बीच इस दबाव को महसूस करके खुद को संभाल सकते हैं। मुझे पता है कि आपको इसे महसूस करना चाहिए। क्रोध, भ्रम, लाचारी, यह सभी इंग्रिडियेंट्स आपके अंदर मौजूद हीरो को बाहर लेकर आएंगे। लेकिन, सावधान रहें यह सभी इंग्रिडियेंट्स ही एक अच्छे इंसान के अंदर से दया, करुणा, प्रेम को मिटा भी देते हैं।

90 की स्पीड से किसानों को रौंदते निकली थी थार जीप, पीछे से गुजरीं इनोवा और स्कॉर्पियो, 8 लोगों ने गंवाई जान

लखीमपुर। ञ्लखीमपुर खीरी के तिकुनिया गांव में तीन अक्टूबर की दोपहर हुई हिंसा की वजह का अनकट वीडियो सामने आया है। जिसमें आंदोलन कर रहे किसानों को एक थार जीप तेज रफ्तार में रौंदते हुए दिख रही है। जीप के पीछे इनोवा और स्कॉर्पियो भी गुजरी। इतने में भगदड़ मच गई। अब तक घटना के तीन वीडियो सामने आ चुके हैं। हालांकि, इस बात की पुष्टि नहीं की जा सकती है कि गाड़ियों में कौन-कौन सवार है। घटना से किसानों में आक्रोश बना हुआ है। नया वीडियो 45 सेकेंड का है। इसमें कोई एडिटिंग नहीं की गई है। इसलिए इसे अनकट कहा जा रहा है। जबकि इससे पहले 5 अक्टूबर को सामने आया वीडियो 27 सेकेंड का था। उसे स्लो मोशन में जारी किया गया था।

पाकिस्तान में 5.9 तीव्रता का भूकंप

इस्लामाबाद। ञ्पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के हरनेई इलाके में गुरुवार तड़के करीब साढ़े तीन बजे तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसमें कम से कम 20 लोगों की मौत की खबर है। इनमें एक महिला और छह बच्चे शामिल हैं। करीब 300 लोग घायल भी हुए हैं। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.9 आंकी गई। स्र जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, इस भूकंप का केंद्र हरनेई शहर के पास जमीन से 15 किमी नीचे था। डिजास्टर मैनेजमेंट के अधिकारियों का कहना है कि रेस्क्यू शुरू कर दिया गया है। मृतकों का आंकड़ा और बढ़ सकता है। सरकारी अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के चलते दीवार गिरने से कई लोगों की जान गई। भूकंप के झटके बलूचिस्तान और क्वेटा के सिबी, पिशिन, मुस्लिम बाग, किला सैफुल्ला कचलक, हरनई और आसपास के इलाकों में महसूस किए गए। इसके बाद कई इलाकों में लोग घरों के बाहर सड़कों पर आकर बैठ गए।

ब्यावर में 9 दिनों तक चलने वाले नवरात्रि उत्सव के पहले दिन कलश यात्रा के दौरान नृत्य करती महिलाएं।

न्यूज ब्रीफ

जेमिमा की पारी गई बेकार, पहला टी20 मैच बारिश की भेंट चढ़ा

गोल्ड कोस्ट। जेमिमा रोड्रिग्स ने 36 गेंद में 49 रन बना लिए थे जिसके बाद भारी बारिश के कारण भारत और आस्ट्रेलिया के बीच गुरूवार को यहां पहला महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच रद्द कर दिया गया। बल्लेबाजी का न्यौता मिलने के बाद भारत ने 15.2 ओवर में चार विकेट गंवाकर 131 रन बना लिये थे और टीम 165 से ज्यादा रन जोड़ने की ओर बढ़ रही थी जिसके बाद बारिश ने मैच रोक दिया और फिर अंत में इसे पूरा करने की उम्मीद भी टूट गई। भारतीय टीम को स्मृति मंधाना (10 गेंद में 17 रन) और शेफाली वर्मा (14 गेंद में 18 रन) ने अच्छी शुरूआत करायी। पावरप्ले में आस्ट्रेलिया ने 50 रन लुटा दिए थे और ऐसा कम ही देखने को मिलता है। भारतीय बल्लेबाजों ने यह लय नहीं गंवाई, हालांकि जेमिमा को छोड़कर शीर्ष क्रम की बल्लेबाज अच्छी शुरूआत को बड़ी पारी में नहीं बदल सकीं। जेमिमा ने अपनी पारी के दौरान सात चौके जमाये और जब बारिश के कारण खेल रोका गया तो उनके साथ दूसरे छोर पर रिचा घोष (13 गेंद में नाबाद 17 रन) थीं। इस रद्द हुए मैच से दोनों टीमों को एक एक अंक दिया गया। शेफाली ने टाएला व्लेमिंक पर छक्का जड़कर शुरूआत की। उन्होंने और मंधाना ने पहले विकेट के लिए 31 रन जोड़े। दोनों हालांकि जल्द ही आउट हो गईं जिसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कोर ने छोटी सी पारी के दौरान तीन बार गेंद सीमारेखा के पार करायी। इसके बाद जेमिमा ने ऑफ साइड पर कुछ शानदार शॉट जमाए। उन्होंने पहले मोलिन्यु की गेंद को और फिर स्पिनर एशले गार्डनर और हना डार्लिंगटन की गेंद को चौके के लिए भेजा।

चैम्पियन चैस टूर फाइनल - विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन ही बने विजेता

ओस्लो, नॉर्वे। एक साल से चल रहे ऑनलाइन चैम्पियन चैस टूर फाइनल का खिताब विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन नें दो राउंड के पहले ही सबसे ज्यादा अंक जुटाकर अपने नाम कर लिया था पर आठवे राउंड मे उन्हे दिग्गज अर्मेनिअन खिलाड़ी लेवोन अरोनियन से 3-1 की एकतरफा हार का सामना करना पड़ा था , खैर आखिरी दिन कार्लसन एक बार फिर लय मे नजर आए और उन्होने अपने सबसे खास प्रतिवानदी रहे यूएस के वेसली सो को 2.5-0.5 से पराजित करते हुए टूर का अंत किया । कार्लसन नें कुल 31.5 अंक बनाते हुए 1 लाख यूएस डॉलर का पहला पुरुष्कार अपने नाम कर लिया । खैर फाइनल में अजरबैजान के तैमूर रद्जाबोव आकर्षण का केंद्र रहे और लगातार छह मुक़ाबले जीतकर 27 अंक बनांकर दूसरे स्थान पर रहे और 60 हजार डॉलर जीतने में कामयाब रहे ,जबकि वेसली सो के कार्लसन से हारने का फायदा मिला अर्मेनिया के लेवोन अरोनियन को और 24 अंक बनाकर उन्होने 40 हजार डॉलर का तीसरा पुरुष्कार हासिल किया । अन्य खिलाड़ियों में यूएस के वेसली सो , हिकारु नाकामुरा ,रूस के व्लादिस्लाव अर्टेमिव ,नीदरलैंड के अनीश गिरि ,फ्रांस के मकसीम लागरेव ,पोलैंड के जान डूड़ा ,और अजरबैजान के ममेद्यारोव क्रमश: चौंथे से दसवें स्थान पर रहे ।

बुमराह का रिकॉर्ड तोड़ा : हर्षल पटेल आईपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बने

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के पेसर हर्षल पटेल आईपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़ दिया है। पटेल इस सीजन में 29 विकेट ले चुके हैं। पटेल से पहले यह रिकॉर्ड बुमराह के नाम दर्ज था। बुमराह ने पिछले सीजन में 27 विकेट लिए थे। वहीं भुवनेश्वर कुमार ने तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने 2017 में 26 विकेट लिए थे।

पटेल इस सीजन के पर्पल कैप के प्रबल दावेदार

पटेल के 14 वें सीजन में कुल 29 विकेट हो चुके हैं। वह पर्पल कैप के प्रबल दावेदार हैं। उनके बाद दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाज आवेश खान 22 विकेट लेकर दूसरे स्थान पर हैं। पटेल ने हैदराबाद के खिलाफ 4 ओवर में 33 रन देकर 3 विकेट लिए। इस सीजन में खेले 13 मैचों में वे 14 की औसत से 29 विकेट ले चुके हैं।

ड्वेन ब्रावो सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज

ड्वेन ब्रावो IPLमें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 32 विकेट लिए हैं। कागिसो रबाडा 30 विकेट लेकर दूसरे स्थान पर हैं। हर्षल पटेल 29 विकेट लेकर तीसरे स्थान पर हैं। आईपीएल फेज-2 में बुधवार को खेले गए मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 4 रनों से हराया। पहले खेलते हुए SRH ने 141/7 का स्कोर बनाया था। 142 रनों के टारगेट का पीछा करते हुए ऋष्टक्क 137/6 का स्कोर ही बना सकी और मुकाबला हार गई।

भुवी बने जीत के हीरो

मैच में ऋष्टक्क को जीत का फेवरेट माना जा रहा था, लेकिन ऐसा देखने को नहीं मिला। टीम को अंतिम ओवर के खेल में 13 रन चाहिए थे और ऋष्टक्क की पूरी उम्मीद एबी डिविलियर्स पर टिकी हुई थी। भुवनेश्वर कुमार ने अंतिम ओवर में शानदार गेंदबाजी करते हुए सिर्फ 8 रन खर्च किए और हैदराबाद को बेहद ही रोमांचक जीत दिलाई।

टी-20 डब्ल्यूसी को लेकर बड़ी खुशखबरी

प्लेयर अपने परिवार के साथ वर्ल्ड कप का बन सकते हैं हिस्सा, बॉयो-बबल में रहना होगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप का आयोजन बड़े पैमाने पर करने जा रहा है। पहले इस टूर्नामेंट का आयोजन भारत में होने वाला था, लेकिन कोरोना के कारण अब इसका आयोजन,श्व और ओमान में किया जा रहा है। आईसीसी इसके आयोजन को लेकर लगातार तैयारी कर रहा है। उनका इस समय पूरा ध्यान इस पर है कि कोरोना महामारी के दौर में कैसे टी-20 वर्ल्ड कप जैसे मेगा टूर्नामेंट का आयोजन सुरक्षित तरीके से कराएं।

आईसीसी ने बॉयो-बबल सुरक्षा को लेकर तैयार की गई योजना

आईसीसी ने गुरुवार को बॉयो-बबल सुरक्षा को लेकर तैयार की गई योजनाओं के बारे में जानकारी दी।उन्होंने क्लोज फैमली मेंम्बर को टीम के साथ बबल में रहने की इजाजत दे दी है। वहीं, इस बार फैंस के लिए खुशखबरी है। वह सोशल डिस्टेंस मेंटेन करते हुए खिलाड़ियों के साथ सेल्फी ले सकते हैं।

खिलाड़ियों का परिवार होगा उनके साथ

आईसीसी ने गुरुवार को कहा, वर्ल्ड कप में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का मानसिक स्वास्थ्य हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हमने इसके लिए कई प्रोफेशनल का सपोर्ट लिया है। इसके साथ ही हम कई संसाधन भी लेकर आ रहे हैं। मानसिक स्वास्थ्य के कारण ही हमने ये फैसला लिया है कि परिवार के लोग खिलाड़ियों के साथ रह सकते हैं। उनके होने से बॉयो-बबल में खिलाड़ी सुखद वातावरण में रहेंगे। इसलिए हमने बहुत कम संख्या में करीबी परिवार के लोगों को अनुमति दी है, यदि वे चाहें तो टीमों के साथ जा सकते हैं।

फैंस को मेंटेन करनी होगी सोशल डिस्टेंसिंग:- आईसीसी ने अपने बयान में आगे कहा कि परिवार के सदस्य जो टीम के साथ शामिल होंगे उन्हें क्वारंटाइन से गुजरना होगा। इसके साथ ही उन्हें कोरोना निगेटिव रिपोर्ट भी दिखानी पड़ेगी। उन्हें तीन कोरोना टेस्ट से गुजरना होगा। साथ ही पूरे टूर्नामेंट के दौरान उन्हें बबल में ही रहना होगा। आईपीएल का आयोजन जिस तरह से हुआ है। आईसीसी भी ऐसा ही आयोजन करना चाहता है। उनके अनुसार फैंस को हर हाल में सोशल डिस्टेंसिंग मेंटेन करनी होगी।

आईपीएल की सबसे तेज गेंद

टॉप-10 में एक भी भारतीय नहीं, एनरिक नॉर्त्या की रफ्तार का रहा है कहर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

बुधवार को बेंगलुरु के खिलाफ हैदराबाद के तेज गेंदबाज उमरान मलिक ने अपनी तेज गेंदबाजी से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। उन्होंने मैच में 152.95 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी। ये किसी भी भारतीय तेज गेंदबाज द्वारा आईपीएल में फेंकी गई सबसे तेज गेंद है, लेकिन अगर आईपीएल में टॉप-10 तेज गेंदों की बात करें तो उमरान की ये गेंद कहीं नहीं ठहरती। उमरान की गेंद आईपीएल में सबसे तेंज गेंदों में 18वें स्थान पर है। टॉप-10 में दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाज एनरिक नॉर्त्या का जलवा रहा है।

आईपीएल में एनरिक नॉर्त्या के रफ्तार ने मचा रखा है कहर:- एनरिक नॉर्त्या ने आईपीएल में 156.22, 155.21, 154. 74 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से गेंद डाली है। ये आईपीएल की सबसे तेज गेंदें हैं। वहीं, चौथे स्थान पर डेल स्टेन हैं। उन्होंने साल 2012 में डेक्कन चार्जस के लिए खेलते हुए 154.40 के रफ्तार से गेंद डाली थी।

आईपीएल में अब तक डाली गई 10 सबसे तेज गेंदों में से 5 एनरिक नॉर्त्या ने डाली है। वहीं, कोलकाता नाइट राइडर्स के तेज गेंदबाज लोकी फर्ग्यूसन, दिल्ली कैपिटल्स के कगिसो रबाडा और राजस्थान रॉयल्स के जोफ्रा आर्चर ने क्रमश: 153.84, 154.23, 153.62 के रफ्तार से आईपीएल में गेंद फेंकी है। उमरान मलिक से पहले भारत के लिए सबसे तेज गेंद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज नवदीप सैनी ने फेंकी थी। उन्होंने 152.85 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से गेंद फेंककर रिकॉर्ड दर्ज किया था। इसी रिकॉर्ड को बेंगलुरु के खिलाफ उमरान मलिक ने तोड़ा है।

लीमा। मनु भाकर, रिदम सांगवान और नामया कपूर की तिकड़ी ने आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैम्पियनशिप में भारत के शानदार प्रदर्शन का सिलसिला जारी रखते हुए 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत लिया। भारतीय टीम ने स्वर्ण पदक के मुकाबले में अमेरिका को 16.4 से हराया। यह मनु का इस स्पर्धा में चौथा स्वर्ण है और उसने एक कांस्य पदक भी जीता है। वहीं 14 वर्ष की कपूर का यह दूसरा स्वर्ण है। उसने 25 मीटर पिस्टल व्यक्तिगत वर्ग में भी स्वर्ण जीता था।

SUPER HERO
यदि आप
किसी भी व्यक्ति को जानते है
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।
हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहे हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।
Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com
PRESS ITDC
ITDC NEWS

एशेज से पहले इंग्लैंड को झटका:उंगली की सजरी के कारण एशेज से बाहर हुए बेन स्टोक्स

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इंग्लैंड की टीम को एशेज सीरीज से पहले गहरा झटका लगा है। टी-20 वर्ल्ड कप से पहले ही बाहर हो चुके ऑलराउंडर बेन स्टोक्स उंगली की चोट के कारण एशेज टेस्ट सीरीज में भी नहीं खेल पाएंगे। अप्रैल में आईपीएल के समय स्टोक्स की उंगली में चोट लग गई थी और फिर उनका पहला ऑपरेशन हुआ था। डॉक्टर डग कैंपबेल ने अब उनका दूसरा ऑपरेशन भी कर दिया है। स्टोक्स को दो स्क्रू लगाए गए हैं और उनके लेफ्ट हैंड की उंगली के टिशू को भी निकाल दिया गया है। ECB ने बताया कि स्टोक्स चार सप्ताह के लिए रीहैबिलिटेशन में रहेंगे।

ईसीबी ने कहा- स्टोक्स लेंगे कुछ दिन का ब्रेक

स्टोक्स आखिरी बार पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड में हुई लिमिटेड ओवर की सीरीज में खेले थे। तब इंग्लैंड की मुख्य टीम के कई खिलाड़ियों के कोरोना पॉजिटिव होने के कारण स्टोक्स को कप्तानी दी गई थी। इस सीरीज के बाद स्टोक्स ने मानसिक कारणों का हवाला देते हुए भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से नाम वापस ले लिया था। फिर उन्होंने आईपीएल फेज-2 और टी-20 वर्ल्ड कप में भी हिस्सा न लेने का फैसला किया था। श्वष्टक्क ने कहा कि स्टोक्स की मेडिकल रिपोर्ट में कहा गया कि उनकी उंगली अब तेजी से ठीक हो रही और उन्हें जल्द ही दर्द से भी राहत मिल जाएगी। लेकिन, एशेज में उनके खेलने की उम्मीद काफी कम है।

टी20 वर्ल्ड कप से बाहर हुए बेन स्टोक्स

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड के मैनेजिंग डायरेक्टर एश्ले जइल्स ने कहा कि हमारा फोकस हमारे खिलाड़ियों की मेंटल हेल्थ है। हम स्टोक्स को क्रिकेट खेलने के लिए फोर्स नहीं करेंगे। उम्मीद है कि वे जल्द ही पूरी तरह मानसिक और शारीरिक रूप से फिट होकर क्रिकेट के मैदान पर वापसी करेंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

मुद्रास्फीती की गिरफ्त में फंसे बाजार और अर्थव्यवस्थाएं

मुंबई। दुनिया के प्रमुख केंद्रीय बैंक की ओर से ब्याज दर में वृद्धि किए जाने और यूएस फेडरल रिजर्व द्वारा बॉन्ड की खरीद कम किए जाने के बाद बाजारों और विश्व अर्थव्यवस्था के लिए मुद्रास्फीति एक नई चिंता के तौर पर उभर कर सामने आ गई है। यूरोप में प्राकृतिक गैस की कीमत में तेज वृद्धि, ब्रिटेन और चीन में बिजली कटौती तथा कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आने से उच्च मुद्रास्फीति का भय चरम पर पहुंच गया है।
पिछले महीने में ब्रेंट क्रूड तेल की कीमतें करीब 20 फीसदी चढ़ी हैं और मंगलवार को यह कमोडिटी एक्सचेंजों पर 80 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई जो कि तीन वर्ष का उच्चतम स्तर है। इसके कारण भारत द्वारा आयात किए जाने वाले कच्चे तेल की कीमत बढ़ेगी जिससे मजबूर होकर तेल विपणन कंपनियां ईंधन कीमतों में इजाफा करेंगी। इसके बाद खुदरा या उपभोक्ता महंगाई में और अधिक इजाफा होगा। कच्चे तेल की उच्च कीमतों के कारण उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियों की लागत में भी इजाफा होगा।
विश्लेषकों का कहना है कि तेल कीमतों के प्रभाव से इनपुट कीमत बढ़ने पर कॉर्पोरेट मार्जिन में भी गिरावट आएगी। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के विश्लेषकों ने लिखा, %वैश्विक ऊर्जा कीमतों में तेज वृद्धि और बढ़ी हुई कीमतों की संभावनाओं से वैश्विक और घरेलू महंगाई पर एक और जोखिम पड़ सकता है। मुद्रास्फीति के अल्पकालिक होने को लेकर बाजार आशावादी रहे हैं। हालांकि, विभिन्न जिंसों में आपूर्ति आधारित मौजूदा व्यवधानों के कारण मुद्रास्फीति उम्मीद से अधिक समय तक रह सकती है। ऐतिहासिक तौर पर ब्रेंट क्रूड तेल कीमतों और भारत में समग्र महंगाई के बीच सकारात्मक अंतर्संबंध रहा है। यह भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लिए मूल्य अपस्फीतिकारक द्वारा भी दर्ज किया गया है। जीडीपी कीमत अस्फीतिकारक में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई दोनों को शामिल किया गया है।

धूल से प्रदूषण पर अब दिल्ली में होगी सख्ती

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार धूल से होने वाले वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए सख्ती करने जा रही है। सरकार दिल्ली में गुरुवार से इस माह धूल विरोधी अभियान चलाएगी। इसके तहत निर्माण स्थलों पर निर्माण गतिविधियों की निगरानी कर दिशा-निर्देशों के पालन की जांच करेगी। निर्माण एजेंसियों को निर्माण स्थलों पर 7 अक्टूबर से निर्माण संबंधी 14 नियमों को लागू करना जरूरी होगा। नियमों का उल्लंघन होने पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण के दिशानिर्देशों के अनुसार निर्माण स्थल के आकार के आधार पर 10 हजार से 5 लाख रुपये तक जुर्माना लगाया जाएगा।

रंग में रियल्टी : रेसिडेंशियल प्रॉपर्टी मार्केट में दिखा उछाल, मेट्रो की तुलना में टियर-2 शहरों में ज्यादा तेजी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई
रियल एस्टेट सेक्टर में लंबे समय बाद रुझान पलटा है। खासकर टियर-2 शहरों में बीते एक साल में प्लॉट और मकान की कीमतों में 10 फीसदी से लेकर 25 फीसदी तक का उछाल देखने को मिला है। जानकारों का कहना है कि आगामी 6 महीनों में दाम 15 फीसदी तक और बढ़ने की संभावना है। खास बात ये है कि टियर-2 शहरों ने तेजी के मामले में मेट्रो शहरों को पीछे छोड़ दिया है।

प्रॉपर्टी 2020 के मुकाबले 10-25 फीसदी तक महंगी हुई

टियर-2 शहरों में रेसिडेंशियल प्रॉपर्टी 2020 के मुकाबले 10-25 फीसदी तक महंगी हुई है। मध्य प्रदेश की वाणिज्यिक राजधानी इंदौर में सबसे अधिक 20 से 25 फीसदी तक की बढ़त दर्ज की गई है। इसके अलावा, चंडीगढ़, रायपुर, जयपुर और बेंगलुरू में भी प्लॉट की कीमतों में 10 फीसदी से अधिक का इजाफा दर्ज हुआ है।

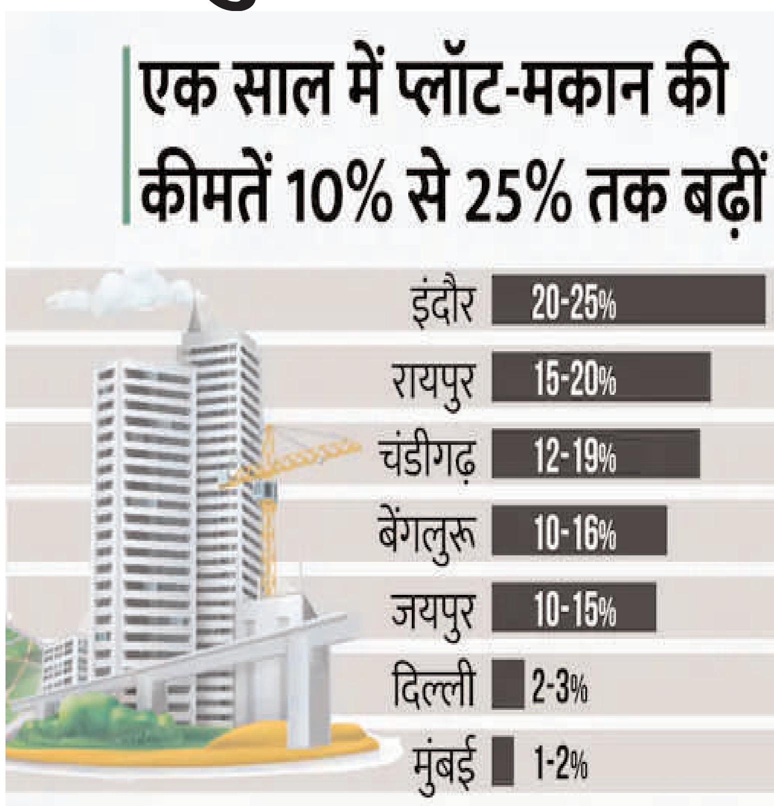

3 से 6 महीनों में प्रॉपर्टी के दाम 5-15 फीसदी तक बढ़ सकते हैं

जानकारों का कहना है कि दाम बढ़ने का सिलसिला आगे भी जारी रह सकता है। नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल (नारेडको) के वाइस चेयरमैन डॉ. निरंजन हीरानंदानी ने कहा, 'देश भर में रेसिडेंशियल प्रॉपर्टी की खरीद बढ़ रही है। मांग बढ़ने के बीच कंस्ट्रक्शन कॉस्ट में भी इजाफा हो रहा है। इसकी वजह से अगले 3 से 6 महीनों में प्रॉपर्टी के दाम 5-15 फीसदी तक बढ़ सकते हैं। एनारॉक प्रॉपर्टी कंसल्टेंट्स के डायरेक्टर एवं रिसर्च हेड प्रशांत ठाकुर के मुताबिक, देश के बड़े शहरों में पिछली तिमाही में ही प्रॉपर्टी के दाम 1-3 फीसदी तक बढ़े हैं। अब अधिक डिमांड और कम सप्लाई वाली प्रॉपर्टी के दाम और बढ़ने की संभावना है।
5 से 15 फीसदी दाम बढ़ने की उम्मीद:- अगले 3-6 महीनों के दौरान देश में रेसिडेंशियल प्रॉपर्टी के दाम 5 से 15 फीसदी तक बढ़ने की उम्मीद है। हुनरमंद श्रमिकों की कमी, श्रम लागत में बढ़ोतरी और कच्चे माल के दाम बढ़ना इसकी प्रमुख वजहें होंगी। - डॉ. निरंजन हीरानंदानी, वाइस चेयरमैन, नारेडको

टियर-2 शहर में डेढ़ गुनी तक महंगी प्रॉपर्टी

बड़े शहरों के मुकाबले टियर-2 शहरों में रिहायशी प्रॉपर्टी ज्यादा महंगी हुई है। क्रेडाई (इंदौर) के चेयरमैन लीलाधर माहेश्वरी ने कहा, साल भर में अलग-अलग सेगमेंट में प्रॉपर्टी के दाम 20 से 25 फीसदी बढ़े हैं। अगले कुछ महीनों में प्रॉपर्टी की कीमतें 10 से 15 फीसदी और बढ़ सकती हैं।

इन 3 वजहों से आ रही प्रॉपर्टी की कीमतों में तेजी

बीते एक साल में सीमेंट के अलावा कंस्ट्रक्शन में लगने वाली ज्यादातर वस्तुएं महंगी हुई हैं।
महामारी ने लोगों को अपने घर की अहमियत समझा दी है। लोग मकान और जमीन खरीद रहे हैं।
कोरोनाकाल में खर्च कम हुआ है और बचत बढ़ी है। यह बचत प्रॉपर्टी बाजार में आ रही है।

नहीं आ रहे अच्छे दिन : इस महीने छठवीं बार महंगे हुए पेट्रोल-डीजल, दिल्ली में पेट्रोल 103.24 और डीजल 91.83 रुपए पर पहुंचा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली
भारतीय तेल कंपनियों ने आज फिर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में इजाफा किया है। आज दिल्ली में डीजल के दाम में 35 पैसे और पेट्रोल के दाम में 30 पैसे प्रति लीटर बढ़े हैं। इसके बाद यहां पेट्रोल 103.24 और डीजल 91.83 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। इस महीने ये छठवीं बार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े हैं। इस महीने सिर्फ 7 दिन में ही पेट्रोल 1.60 और डीजल

1.90 रुपए महंगा हो चुका है। IIFL सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट (कमोडिटी एंड करेंसी) अनुज गुप्ता कहते हैं कि कच्चे तेल की मांग बढ़ने के कारण इसके दाम 80 डॉलर के पार निकल गए हैं और ये आने वाले दिनों में 90 डॉलर तक जा सकते हैं। इससे पेट्रोल-डीजल की कीमत में 2 से 3 रुपए तक की बढ़ोतरी हो सकती है।
इस साल अब तक पेट्रोल 19.27 और डीजल 17.71 रुपए महंगा हुआ:- इस साल 1 जनवरी को पेट्रोल 83.97 और डीजल 74.12 रुपए प्रति लीटर था। अब ये 103.24 और 91.83 रुपए प्रति लीटर पर है। यानी 9 महीने से भी कम में पेट्रोल 19.27 और डीजल 17.71 रुपए महंगा हुआ है।

26 राज्यों में पेट्रोल और 6 राज्यों में डीजल 100 के पार

देश के 26 राज्यों में पेट्रोल 100 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, आंध्र प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मणिपुर, नागालैंड, पोंडेचेरी, तेलंगाना, पंजाब, सिक्किम, उड़ीसा, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और राजस्थान के सभी जिलों में पेट्रोल 100 रुपए प्रति लीटर के ऊपर है।

मूडीज ने 18 कंपनियों, बैंकों की रेटिंग नकारात्मक से स्थिर की

नई दिल्ली। रेटिंग एजेंसी मूडीज इन्वेस्टर सर्विसेज ने बुधवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, एसबीआई, एक्सिस बैंक समेत देश की 18 कारपोरेट कंपनियों और बैंकों की रेटिंग में सुधार कर उन्हें नकारात्मक से स्थिर श्रेणी में कर दिया। अमेरिका की रेटिंग एजेंसी ने इससे पहले मंगलवार को भारत के परिदृश्य में बदलाव करते हुए इसे नकारात्मक से स्थिर श्रेणी में कर दिया। मूडीज ने भारत को बीएए3 रेटिंग दी हुई थी। रेटिंग एजेंसी ने जिन 9 कंपनियों के रेटिंग में बदलाव किया है उनमें आरआईएल, टीसीएस, इन्फोसिस, ओएनजीसी, पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड, अल्ट्राटेक सीमेंट, ऑयल इंडिया, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) शामिल हैं।

महामारी ने बदला फैशन का नजरिया, किफायती चीजों पर जोर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली
मानसी की नजरें कई वर्षों से लुई विटां ब्रांड पर थीं लेकिन जेब हल्की होने की वजह से वह खुद को पीछे रोक लेती थीं। अब, अमेरिका के दिग्गज ई-शॉपिंग ब्रांड पॉशमार्क के भारत में प्रवेश के साथ ही उनकी उम्मीदें बढ़ गई हैं कि वे इस ब्रांड की कुछ चीजें ले पाएंगी। इसके दो हफ्ते पहले ही लॉन्च होने के बाद से ही वह इसकी वेबसाइट को नियमित रूप से देखती रहती हैं ताकि उन्हें उनकी मनपसंद चीज मिल जाए। पॉशमार्क एक ऑनलाइन सोशल कॉमर्स मार्केटप्लेस है जहां विभिन्न ब्रांडों की इस्तेमाल की जा चुकी और नई, दोनों तरह के कपड़े और एसेसरीज खरीदी और बेची जा सकती है और भारत के तेजी से बढ़ते फैशन उद्योग में यह नई चीज जुड़ी है। सिकोया और बेन ऐंड कंपनी की एक रिपोर्ट %अनलॉकिंग द फ्यूचर ऑफ कॉमर्स इन इंडिया% के अनुसार, %सोशल कॉमर्स इस वक्त 1.5 अरब डॉलर से 2 अरब डॉलर के जीएमवी (सकल मर्केंडाइज मूल्य) वाला बाजार है जो महज पांच सालों में 16 अरब डॉलर से 20 अरब डॉलर तक हो जाएगी और 2030 तक इसके 60 अरब डॉलर से 70 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। संक्षेप में कहें तो भारत का सामाजिक वाणिज्य क्षेत्र दस वर्षों के भीतर मौजूदा ई-कॉमर्स बाजार के आकार का दोगुना हो जाएगा। सोशल कॉमर्स का मतलब सीधे सोशल मीडिया पर उत्पादों की बिक्री करना है। इसमें एक सेगमेंट ऐसा है जहां कोई पहले से पसंद किए गए (प्री-लव्ड) इस्तेमाल किए जा चुके कपड़े खरीद और बेच सकता है।

वीकली एक्सपायरी के दिन बाजार में जमकर हुई खरीदारी, निफ्टी 17800 के नीचे बंद; रियल्टी और ऑटो शेयर जमकर दौड़े

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली
वीकली एक्सपायरी के दिन बाजार में जमकर खरीदारी हुई। सेंसेक्स 488 पॉइंट यानी 0.82 फीसदी बढ़कर 59,677 पर और निफ्टी 144 पॉइंट यानी 0.82 फीसदी की तेजी के साथ 17,790 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 59,900 और निफ्टी 17,850 के पार गया। इससे पहले सेंसेक्स 59,632 पर और निफ्टी 17,810 पॉइंट पर खुला था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 शेयर बढ़त के साथ और 10 शेयर कमजोरी के साथ कारोबार करते दिखे। जिसमें टाइटन के शेयर 10.69 फीसदी, रूरूके शेयर 5.32 फीसदी और मारुति के शेयर 4.04 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुए। वहीं डॉ. रेड्डीज के शेयर में 1.31 फीसदी की गिरावट रही। कारोबार के दौरान रियल्टी और ऑटो शेयर जमकर दौड़े। हस्थ पर रियल्टी इंडेक्स 6.10 फीसदी चढ़कर बंद हुआ। त्योहारी सीजन में बिक्री बढ़ने की उम्मीद से ऑटो इंडेक्स में 4.46 फीसदी की शानदार तेजी देखने को मिली। टाटा मोटर्स के शेयर 12.63 फीसदी उछलकर साढ़े 3 साल के शिखर पर पहुंच गए। मारुति और अशोक लेलैंड के शेयर 4 फीसदी से ज्यादा दौड़े। रूरूके शेयर भी करीब 5 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुए।

BSE पर 2,218 शेयर्स बढ़त के साथ बंद

BSE पर 3,443 शेयर्स में कारोबार हुआ। जिसमें 2,218 शेयर्स बढ़त के साथ और 1,081 शेयर्स लाल निशान में कारोबार करते दिखे। इसी के साथ BSE पर लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप 265 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है।

BSE पर 458 शेयर्स में अपर सर्किट लगा

BSE पर कारोबार के दौरान 346 शेयर्स 52 हफ्ते के ऊपरी स्तर पर और 15 शेयर्स 52 हफ्ते के निचले स्तर पर कारोबार करते दिखे। इसके अलावा 458 शेयर्स में अपर सर्किट लगा तो वहीं 145 शेयर्स में लोअर सर्किट लगा। इससे पहले बुधवार को सेंसेक्स 555 पॉइंट यानी 0.93 फीसदी गिरकर 59,189 पर और निफ्टी 176 पॉइंट यानी 0.99 फीसदी की गिरावट के साथ 17,646 पर बंद हुआ था।
अमेरिका के शेयर बाजार के हाल:- इससे पहले अमेरिका के शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। डाओ जोंस 0.30 फीसदी चढ़कर 34,417 पर बंद हुआ। नैस्डैक 0.47 फीसदी की बढ़त के साथ 14,501 और S&P 500 0.41 फीसदी चढ़कर 4,363 पर बंद हुआ।

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com
मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,
विश्वसनीयता की अपेक्षा पर खरा उतरने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे है,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत
मेरे लोग, मेरा विधान
इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।
आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे फेसबुक, लिंक्डइन, यूट्यूब, कू, ट्विटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप एवं हमारे डिजिटल प्लेटफॉर्म से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।
आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अप्रकाशित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com
मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ई-प्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।